RNI NO. CHHHIN/2022/83778

न्यूज रूटीन

मासिक, बलौदाबाजार से प्रकाशित

वर्ष : 02 अंक : 10 | मासिक, बलौदाबाजार, अक्टूबर 2023 | E-mail: newsroutine6@gmail.com | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 15 रू.

प्रदेश की 5 वीआईपी सीटों पर कांटे की है टक्कर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी बिगुल बजने के बाद चुनाव तारीख (17 नवंबर) से 32 दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने कैंडिडेट के नाम की घोषणा की। लोगों के काफी समय से इसका इंतजार के बाद आखिरकार सूची जारी कर दी गई। कैंडिडेट के नाम की घोषणा होने के साथ ही उनके विरोधियों की भी बातें होने लगी है। जानिए प्रदेश की वो 5 सीटें जहां से बीजेपी कांग्रेस में होगी जबरदस्त टक्कर। कहीं सीएम तो कहीं मंत्री है प्रतिद्वंदी।

पाटन विधानसभा: बघेल VS बघेल

छत्तसीगढ़ विधानसभा चुनाव पाटन विधानसभा चुनाव से बीजेपी ने पहली सूची में ही भूपेश बघेल के भतीजे विजय बघेल को टिकट दे दिया है। अब आज जारी हुई कांग्रेस की लिस्ट में पार्टी ने सीएम भूपेश बघेल को यहां से अपना कैंडिडेट बनाया है। इस लिस्ट के आते ही चाचा VS भतीजा हो गया है। इस सीट पर मुकाबला कांटे की टक्कर वाला होगा क्योंकि दोनों ही नेता एक दूसरे को एक-एक बार पटकनी दे चुके हैं। पिछली बार बीजेपी ने यहां से विजय बघेल को टिकट ना देकर अपने पैर में कुल्हाड़ी मार ली थी। पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा था।

राजनांदगांव: रमन सिंह VS गिरीश देवांगन

कांग्रेस ने राजनांदगांव में गिरीश देवांगन को बीजेपी कैंडिडेट डॉ रमन सिंह के खिलाफ प्रत्याशी बनाया गया है। अपना नाम घोषित होने पर छत्तीसगढ़ महतारी का आशीर्वाद बताया। अपनी जीत पर 100 फीसदी जीत का दावा करते हुए बोले कि राजनांदगांव की जनता एक ही चेहरे को देख के ऊब गई है। कांग्रेस का यह चौंकाने वाला फैसला है।

दुर्ग ग्रामीण: ताम्रध्वज साहू VS ललित चंद्राकर

बस्तर जिले के दुर्ग ग्रामीण विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने अपने पुराने प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू पर भरोसा जताया है। पिछले चुनाव में वह भाजपा के जागेश्वर से हुआ था। जिसमें उनमें हार का सामना करना पड़ा। हालांकि इस बार उनका मुकाबला ललित चंद्राकर से होगा। देखना होगा इस बार किसका पड़ला पड़ेगा भारी।

साजा विधानसभा सीट: रवीन्द्र चौबे VS ईश्वर साहू

जहां बीजेपी ने बिरनपुर हिंसा में मृतक बेटे भुनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को टिकट दिया है। वहीं, कांग्रेस ने उनके खिलाफ रवींद्र चौबे को उतारा है। फिलहाल रवींद्र चौबे यहां से बघेल केबिनेट में मंत्री भी है। अब देखना होगा की ईश्वर साहू क्या मंत्री को टक्कर दे पाएंगे। साजा सीट पर मुकाबला रोचक होगा।

चित्रकोट: दीपक बैज VS विनायक गोयल

छत्तीसगढ़ की सीट पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का मुकाबला बीजेपी के विनायक गोयल से होगा। बीजेपी के ये प्रत्याशी कुछ दिन पहले ही अभी युवक को गालियां देने वाला आडियो वायरल हुआ था जिसके बाद चर्चा में आए थे। अब देखना होगा की चुनाव में इसका क्या असर होगा। वहीं, क्या वों पीसीसी अध्यक्ष को टक्कर दे पाएंगे की नहीं यह देखना भी रोचक होगा

बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कांटे की टक्कर

सारंगढ बिलाईगढ़ 19 अक्टूबर 2023 7 विधानसभा चुनाव के लिए राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की CWC, CEC की बैठक में 88 सीटों पर सिंगल नाम तय हो गया जबकि 2 सीटों पर नामों का पेनल बनाया गया है। पार्टी को सबसे बड़ी समस्या सिटिंग एमएलए की टिकट काटने को लेकर हो रही है CWC के नियमों अनुसार सिटिंग विधायकों की टिकट नही काटने की पार्टी की परंपरा रही लगभग 18 से ज्यादा विधायकों का जिससे क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओ के नाराजगी पर विधायको को टिकट काटा गया । क्षेत्र की जनता एवं वरिष्ठ नेताओं की नाराज़गी के कारण कांग्रेस के इन विधायकों का टिकट कटना लगभग तय इसमें पहला नाम छत्तीसगढ़ सरकार के संसदीय सचिव बिलाईगढ से विधायक चन्द्रदेव राय का है जिनका क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं में नाराज़गी है इसलिए ज्यादातर बड़े नेता इनको टिकट नही देने के पक्षधर है विधायक के एक करीबी नेता के अनुसार दो तीन दिन पहले राज्य के मुख्यमंत्री ने रायपुर में सर्वे रिपोर्ट खराब होने का हवाला देते हुए टिकट कटने का अफसोस व्यक्त किया ।

अब विधायक नही तों कौन इस पर पार्टी आलाकमान विचार करते हुए प्रमाणित तौर पर इस बात का खुलासा हुआ कि वो नाम जिस पर CWC, CEC ने दिल्ली में चर्चा करी है कौन है पर अदंरूनी सूत्रों के अनुसार 4 नामों पर चर्चा हुई है चर्चा उपरांत अंत में जिन दो नामों पर चर्चा हुई है उसमें से एक पुरुष एक महिला का नाम सामने आया जिसमें महिला वर्ग से कविता प्राण लहरें और पुरुष वर्ग से तरुण खटकर के नाम की चर्चा है महिला या पुरुष समीकरण के आधार पर दोनों ही चेहरे पर पार्टी गंभीरता से विचार करते हुए,एक नाम पर मुहर लगना लगभग तय हुआ लेकिन इससे ज्यादा कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा इधर खबर है कि टिकट कटने की भनक लगते ही दोनों नाम सामने आने के बाद विधायक अपनें सैकड़ों समर्थकों के साथ राजधानी में डेरा डाले हुए है। एक जिम्मेदार पदाधिकारी जो विधायक समर्थक है उन्होंने कहा की हम सब हजारों की संख्या मे विधायक के साथ है अगर हमारे

विधायक को टिकट नही मिलता है तो बड़ा निर्णय लेने को तैयार हैं। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण एक लोकसभा से दो महिलाओं को टिकट का समीकरण महिला के पक्ष में है तो दुसरा एक ही जिले में दोनों सीटो पर महिला होने से जिलें की राजनीति समीकरण खराब होगी साथ ही विधायक की सहमति असहमति किस पर होगी या कोई नया नाम विधायक की सहमति से हो इन सभी समीकरणो पर मंथन चला जल्द ही परिणाम सामने आए।

वहीं तरुण खटकर ने कहा की विधानसभा में हमारे किसानो का युवाओं का, महिलाओं का, हमारे कार्यकर्ताओं का हमारे वरिष्ठ नेताओं का, कांग्रेस के पक्ष में जबरदस्त उत्साह में है मुझे भरोसा है राजनीतिक के इस रेस में पार्टी आलाकमान सही घोड़े पर दांव लगाएगी तो जीत सुनिश्चित है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट जारी करते हुए 53 प्रत्याशियों को आज टिकट दिया। इससे पहले भी कांग्रेस ने 15 अक्टूबर को 30 प्रत्याशियों का पहला लिस्ट जारी किया था छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा में अब तक कुल 83 प्रत्याशियों की घोषणा कांग्रेस के द्वारा किया जा चुका है, जिसमें 7 प्रत्याशियों की घोषणा करना बाकी है। आज दूसरे लिस्ट में बिलाईगढ़ विधानसभा से कांग्रेस से कविता प्राण लहरें पर पार्टी ने भरोसा करते हुए टिकट दिया। आपको बता दे की कविता प्राण लहरे ने बिलाईगढ़ अपनी अच्छी खास पकड़ कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ बनाते हुए आज चुनावी मैदान में है , लोगो के जुबा पर कविता प्राण लहरे का नाम सुनने को मिल रहा है। विपक्ष पार्टी ने बीजेपी से दिनेश लाल जांगड़े को टिकट दिया है तो वही बीएसपी से श्याम टंडन को टिकट दिया गया है। बिलाईगढ़ विधानसभा में तीनों पार्टियों के विधायक प्रत्यासी विधान सभा में कांटो के टक्कर पर सिटिंग विधायक एवं संसदीय सचिव चंद्रदेव प्रसाद राय का टिकट काटते हुए महिला प्रत्याशी कविता प्राण लहरे को प्रत्याशी घोषित किया है। चंद्रदेव प्रसाद राय ने 2018 में बीएसपी प्रत्याशी श्याम टंडन को हराते हुए विधायक के पद पर पहुंचे थे। कविता प्राण लहरे को टिकट मिलने की खबर उनके समर्थकों में क्षेत्र वाशियो में बड़ी उतसाह देखने को मिल रही है वही समर्थकों द्वारा एक दुसरे को पटाखे फोड़ एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

मतदान कर्मी नहीं बता सके वीवीपैट मशीन का फुल फॉर्म

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने मतदान दलों के प्रशिक्षण के दौरान बिल्हा विकासखंड के बोदरी में निरीक्षण के दौरान ईवीएम मशीन के उपयोग के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर ज्यादा जोर दिया। उन्होंने मतदान दलों से कहा कि ईवीएम मशीन के उपयोग को लेकर इतना सिद्धहस्त हो जाएं कि वास्तविक मतदान के दौरान कोई दिक्कत न आए।

कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों को वीवीपैट मशीन का फुल फॉर्म बताने को कहा। अधिकतर लोगों को सही जवाब बताने में दिक्कत हुई। तब एसडीएम हरिओम द्विवेदी ने सही जवाब बताकर जिज्ञासा शांत की। उन्होंने बताया कि इसका फुल फार्म वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल है। कलेक्टर ने इव्हीएम मशीन एवं चुनाव प्रकिया से जुड़े कई सवाल किए और उनकी शंकाओं का समाधान किया। नगर निगम आयुक्त एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी कुणाल दुदावत एवं जिला पंचायत के सीईओ अजय अग्रवाल भी इस दौरान उपस्थित थे।

कलेक्टर ने प्रशिक्षण में करीब आधे घण्टे तक स्कूल शिक्षक की तरह मतदान दल के अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने बताया कि मतदान के दौरान यदि ईवीएम की बैटरी खराब हो जाये तो सेक्टर अधिकारी के पास उपलब्ध रिजर्व बैटरी लगाकर मशीन को पुनः चालू किया जा सकता है। इसके पहले बैटरी खराब होने पर मशीन का उपयोग बंद कर दूसरे मशीन से आगे का मतदान कराना होता था। उन्होंने चुनाव आयोग की पीठासीन अधिकारी की पुस्तिका को अच्छी तरह पढने् की समझाइश दी।

मालूम हो कि जिला निर्वाचन कार्यालय, न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में अधिकारी-कर्मचारी चौबीसो घंटे ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। इसके नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर अरूण खलखो है। यह कंट्रोल रूम निर्वाचन की समाप्ति तक संचालित होगा। निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान व्यय अनुवीक्षण में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य संपर्क स्थापित करने, अनुवीक्षण दलों को सूचना देने, निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग संबंधी जानकारी एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं शिकायतों को रजिस्टर करने यह कंट्रोल रूम कार्य करेगा।

कोतवाली पुलिस ने कैंप लगाकर 46 वाहनों पर की कार्रवाई

कोरबा। एसपी उदय किरण द्वारा जिले भर में विशेष अभियान के तहत छोटे-बड़े वाहनों की सघन चेकिंग कर कार्रवाई किये जाने के तारतम्य में सिटी कोतवाली पुलिस ने गत रात्रि सुनालिया चौक एवं इमलीडुग्गू में कैंप लगाकर छोटे.बड़े 46 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए उनके उपर समंस शुल्क के रूप में 11400 रुपए का जुर्माना किया।

जानकारी के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू किये जाने से पहले ही कोरबा जिला पुलिस प्रशासन राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। जिसके कारण जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में छोटे.बड़े वाहनों पर पैनी नजर रखते हुए उसमें परिवहन कर लाए जाने वाले मादक पदार्थोंए नोटए जेवरात एवं हथियारों के अलावा उनका दुरूपयोग किये जोन के मद्देनजर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गत रात्रि शहर कोतवाल रूपक शर्मा के नेतृत्व में इमलीडुग्गू एवं सुनालिया चौक पर अलग.अलग दो स्थानों पर कैंप लगाकर कार्रवाई की गई। बताया जाता है कि इस कार्रवाई में बाइक एवं कार वाहनों समेत कुल 46 वाहनों पर मोव्ही एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कोतवाली पुलिस ने एक्शन लेते हुए अपनी कार्रवाई की। इस दौरान सुनालिया चौक में 27 वाहनों से 5300 रुपए तथा इमलीडुग्गू गौमाता चौक में 19 वाहनों से 6100 रुपए मोव्ही एक्ट के तहत जुर्माने की चालानी कार्रवाई की गई।

इस अभियान में टीआई श्री शर्मा के मार्गदर्शन में एएसआई द्वय अजय सिंह ठाकुर, टंकेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक रामरतन टंडन, सुनील सिंह राजपूत, श्याम सिदार, श्री तिर्की, भरत यादव, श्री मार्बल एवं नवरतन सिदार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

संभागीय सोशल मीडिया वॉलिंटियर्स मीट में जुटे भाजपा के हजारों डिजिटल योद्धा

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया ने डिजिटल योद्धाओं को दिया टिप्स

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के संभागीय सोशल मीडिया वॉलिंटियर्स मीट कार्यक्रम दुर्ग भिलाई के स्थानीय होटल के सभागार में आयोजित हुआ। इस वॉलिंटियर्स मीट में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया, अति विशिष्ट अतिथि सांसद विजय बघेल, संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, विशिष्ट अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा एवं सोशल मीडिया प्रदेश सह संयोजक मितुल कोठारी मंचस्थ रहे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया ने उपस्थित सोशल मीडिया वॉलिंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि जल्दी ही चुनावी युद्ध शुरू होने वाला है, जिस प्रकार युद्ध के लिए सभी प्रकार के योद्धाओं की जरूरत होती है उसी प्रकार से डिजिटल योद्धा भी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भारतीय जनता पार्टी के डिजिटल योद्धा तैयार हो चुके है। सभी डिजिटल योद्धा कांग्रेस सरकार की नीतियों और जन विरोधी कामों को लेकर तैयार किए गए वीडियो और कंटेंट को जमीनी स्तर पर पंहुचाने में अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएंगे तो कांग्रेस सरकार के खिलाफ जन जागरण होगा जो कि भाजपा की जीत का आधार बनेगा।

लोकसभा सांसद और पाटन विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने कहा कि सीमित साधनों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपनी बात को बहुत बेहतर ढंग से प्रचारित कर सकते हैं। भूपेश बघेल द्वारा फैलाए गए झूठ और भ्रम को दूर करने में डिजिटल योद्धा को पूरी तत्परता से काम करना होगा साथ ही मोदी सरकार द्वारा किए गए गरीब कल्याण के कार्यों और उपलब्धियों को आमजनों तक पहुंचाने से निश्चित रूप से इसका लाभ आगामी विधानसभा चुनाव में मिलेगा।

संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया को अनदेखा करना असंभव है, सोशल मीडिया के माध्यम से जनता में नॅरेटिव बनता है, कांग्रेस सरकार ने इतने जनविरोधी काम और वादाखिलाफी की है कि भाजपा के सोशल मीडिया वॉलिंटियर्स बिना संकोच पूरे प्रमाण के साथ पुख्ता तौर पर सोशल मीडिया में अपनी बात रख सकते हैं। सोशल मीडिया प्रदेश सहसंयोजक मितुल कोठारी ने कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर प्रेजेंटेशन देते हुए टोल फ्री नंबर पर डायल करके भाजपा के डिजिटल योद्धा बनने के अभियान की जानकारी दी और कहा कि अलग-अलग मुद्दों पर तैयार कांग्रेस सरकार के जनविरोधी काम और वादाखिलाफी के कंटेंट को सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम ,टेलीग्राम पर अधिक से अधिक पोस्ट करके कांग्रेस सरकार की पोल खोलें। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि अपनी बात को जनता के बीच सबसे आसानी से ले जाने का त्वरित माध्यम सोशल मीडिया है। कुछ ही सेकंड में अपनी बात को लाखों लोगों तक सोशल मीडिया के माध्यम से बहुत आसानी से पहुंचा जा सकता है इसीलिए सोशल मीडिया का आगामी विधानसभा चुनाव में विशेष महत्व है और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने तथा कांग्रेस पार्टी की कारगुजारियों का पर्दाफाश करने के लिए सोशल मीडिया सबसे बेहतर टूल है। संभाग स्तरीय सोशल मीडिया वॉलिंटियर्स मीट का संचालन जिला भाजपा महामंत्री सुरेंद्र कौशिक ने किया और आभार प्रदर्शन लोकसभा सोशल मीडिया प्रभारी राजा महोबिया ने किया।

खूबसूरती आतिशबाजी के साथ लोगों के लिए खुला ठगड़ा बांध,

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत ठगड़ा बांध माधो वाटिका में पहले ही दिन शाम से जन सैलाब, उमड़ा सेल्फी पॉइंट बना आकर्षक का केंद्र।विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने अतिथियों के साथ साथ आम नागरिकों का ठगड़ा बांध आने पर स्वागत और अभिनन्दन किया। इस दौरान उन्होंने सभी अतिथियों और नागरिको का आभार व्यक्त किया। 7 अक्टूबर को आम जनता के लिए शुरुवात की गई पहले ही दिन जनसैलाब उमड पड़ी। सिटी की जनता को दिए गए सौगात के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि ठगड़ा बांध बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनने के साथ ही मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉक करने वाले नागरिकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र है।

जहां आमजन बोटिंग,चिल्ड्रन पार्क,सॉफ्ट प्ले जोन,फूड कोर्ट एवं उद्यान के साथ ही हर सप्ताह नवीन इवेंट्स का लुफ्त उठा सकेंगे। इस अवसर पर विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,चैतन्य बघेल,क्षितिज चन्द्राकर,कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा, आयुक्त लोकेश चंद्रकार,सभापति राजेश यादव व एसपी सलभ कुमार सिन्हा ने नौका में बैठकर भरपूर आनंद उठाया।विधायक वोरा व महापौर बाकलीवाल ने अपने उद्बोधन के दौरान दाऊ माधव प्रसाद चंद्राकर के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके परिजनों को सामाजिक सरोकार की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए साधुवाद दिया। ठगड़ा बांध में लाइट और खूबसूरती को देखने शहर के लोग बड़ी संख्या में यहां पहुँचे।साथ ही शहर के कोने कोने से भी लोग इस खूबसूरती को देखने पहुँचे।ठगड़ा बांध में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था।

जिसका संचालन उपअभियंता गिरीश दीवान कर रहे थे।बता दे कि बांध की बाउंड्रीवाल को आकर्षक रंग से रंगने के साथ ही आकर्षक चित्रकारी से सजाया गया है। इसकी खूबसूरती देखते ही बन रही है।आकर्षक चित्रकारी के साथ ही मूर्तियां भी बनाई गई हैं। यह मूर्तियां लोगों को अलग-अलग संदेश देने वाली तो हैं ही, साथ दिखने में भी काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं।पिकनिक स्पॉट पर रंगबिरंगी खूबसूरत लाइटिंग के साथ शानदार आतिशबाजी की रंगीनियों से आसमान पर सतरंगी रौशनी बिखरती रही। बांध में भरे पानी पर भी सतरंगी लाइट और आतिशबाजी की रौशनी के नजारे बिखरते रहे।बच्चों के मनोरंजन का भी ध्यान रखा गया है। निगम प्रशासन द्वारा बांध को आम लोगों के खोल दिया गया है।

बांध में पहुँचे लोग जहां देखो मस्ती करते हुए सेल्फी लेते नजर आये। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया कि शहरवासियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए घूमने के साथ साथ लोगों के बैठने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है इस दौरान पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर एन वर्मा,रिसाली भिलाई महापौर ,अब्दुल गनी,संजय कोहले,हमीद खोखर,दीपक साहू, ऋषभ जैन,भोला महोविया,जयश्री जोशी,सत्यवती वर्मा,शंकर ठाकुर,अनूप चंदनिया,जमुना साहू,मनदीप सिंह भाटिया,अलताप अहमद सहित एमआईसी सदस्य व पार्षदगण,एल्डरमेन और अधिकारी/कर्मचारी सहित सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

राजधानी में धारा 144 लागू, धरना-प्रदर्शन के पूर्व अनुमति जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की घोषणा और प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम ने जहां संपत्ति विरूपण की कार्रवाई तेज कर दी है तो वहीं पुलिस ने संदिग्धों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

नगर निगम प्रशासन ने शहर भर में लगे राजनीतिक पोस्टर और बैनरों को उतार दिया। चौक-चौराहों पर लगे नेताओं के पोस्टर ढंकने के साथ ही दीवार लेखन को मिटाने सहित अन्य सभी प्रकार की चुनावी सामग्री हटाने की कवायद शुरू हो गई है। कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने इस संदर्भ में बैठक लेकर जिले में धारा 144 लागू कर दी है तथा अस्त्र-शस्त्र धारण करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ताकि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान चुनाव प्रक्रिया में असामाजिक तत्वों द्वारा भय और आतंक का वातावरण निर्मित कर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव में बाधा खड़ी न की जा सके तथा मतदाताओं में किसी भी प्रकार का भय पैदा न हो। वे भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

निर्वाचन कार्यक्रम के साथ ही जुलूस आमसभा और धरना इत्यादि के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। जिले के भीतर कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा, न ही कोई रैली या जुलुस निकाल सकेगा तथा न ही कोई धरना देगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले समूह/व्यक्ति के विरुद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत कार्रवाई होगी।

पुलिस अलर्ट मोड पर :

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगते ही पुलिस अलर्ट हो गई है। एसएसपी के निर्देश के बाद जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में फिक्स चेकिंग पाइंट लगाकर सभी प्रकार के वाहनों की जांच की जा रही है। अवैध रूप से शराब परिवहन, चुनाव से संबंधित सामग्री सहित अन्य संदिग्ध वस्तुओं की सघन चेकिंग करने के साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड में भी संदिग्ध व्यक्तियों के साथ सामान की चेकिंग की जा रही है।

कबीरधाम जिले में सिंचाई सुविधाओं का होगा विस्तार

कवर्धा। कबीरधाम जिला में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा। जिले के सहसपुर लोहारा विकासखण्ड की बरोदाखुर्द जलाशय योजना के निर्माण हेतु लगभग 8470.72 लाख रू. की मंजूरी 06 अक्टूबर को मिली है।

बरोदाखुर्द जलाशय योजना के निर्माण से 4890 एकड़ खरीफक्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी जिसे बाद में बढ़ाया भी जा सकेगा। वन भूमि प्राप्त होने के बाद ही निविदा का कार्य प्रारंभ करने की शर्त जल संसाधन विभाग द्वारा रखी गई है।कबीरधाम जिले सहसपुर लोहारा विकासखंड में सिंचाई विस्तार की दिशा में एक और जलाशय निर्माण के लिए राशि की मंजूरी मिलने से खेती किसानी के कार्य में सुविधा होगी। इस क्षेत्र में जलाशय की अवश्यकता महसूस की जा रही थी।

सिंचाई योजनाओं को मिल चुकी है मंजूरी- इससे पहले भी कवर्धा विधानसभा में किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करते हुए घठौला जलाशय निर्माण के लिए 12 करोड़ रूपए की मंजूरी मिली चुकी है। इसके साथ ही 69 करोड़ 76 लाख रूपए की लागत से जगमड़वा जलाशय निर्माण कार्य और 4 करोड़ 45 लाख 94 हजार रूपए की लागत से खम्हरिया व्यपवर्तन योजना निर्माण का भूमिपूजन किया गया है। जिले में लगातार सिंचाई क्षेत्र में विस्तार मिलने से जिले के किसानों के चेहरे में खुशी देखी जा रही है। कबीरधाम जिला में सिंचाई सुविधाओं को ध्यान में रखना कृषि के विस्तार के लिए आवश्यक था। नहरों और जलाशयों के निर्माण से सिंचाई में सुविधा होगी।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत होगी प्रभावी कार्यवाही

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2023 की घोषणा की जा चुकी है। इसी के साथ जिले में आदर्श आचरण संहिता भी प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत व आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चत कराने के निर्देश दिए है। जारी किए गए आदेश में कहा है कि चुनाव के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों द्वारा शासकीय भूमि /भवन/ अहाता /बिजली एवं टेलीफोन के खंबे आदि में पोस्टर/बैनर/होर्डिंग्स आदि लगाकर तथा दिवाल लेखन कर संपत्ति विरूपण अधिनियम का उल्लंघन किया जाता है तो ऐसे मामलों में आयोग द्वारा संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए है।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही करने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मीणा ने जारी आदेश में कहा है कि कोई भी व्यक्ति जो संपत्ति के स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना सार्वजनिक दृष्टि से आने वाली किसी संपत्ति को स्याही, खड़िया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिख कर या चिन्हित कर उसे विरूपित करेगा, वह जुर्माने से जो 1 हजार रूपए तक हो सकेगा, दण्डनीय होगा। इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय कोई भी अपराध संज्ञेय होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संपत्ति विरूपण के संदर्भ में राज्य में प्रचलित विधि के प्रावधनों के अनुसार कठोर कार्यवाही किया जाएगा। सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों अथवा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा शासकीय एवं अशासकीय भवनो की दिवालों पर किसी प्रकार की नारे लिखकर विकृत किया जाता है, तो उनके विरूद्ध छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। ग्राम व नगर में प्राप्त संख्या में टीम गठित की गई है। टीम में नगरीय निकाय, नगर पालिका निगम, नगर पंचायत, लोक निर्माण विभाग तथा राजस्व विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मिलित किया गया है। टीम सघन भ्रमण कर विरूपित संपत्ति को विरूपण करने वाले के व्यय पर पूर्ण स्वरूप में लाएगी। टीम द्वारा संपत्ति विरूपण करने वाले तत्वों के विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानानुसार एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

यदि किसी राजनैतिक दल या निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा किसी निजी संपत्ति को बिना उसके स्वामी की लिखित सहमति के विरूपित किया जाता है तो, निजी संपत्ति के स्वामी द्वारा संबंधित थाने में सूचना दर्ज कराने के बाद गठित टीम निजी संपत्ति को विरूपित होने से बचाने की कार्यवाही करेगा। संबंधित थाना प्रभारी प्रदत्त सूचना रिपोर्ट पर विधिवत् जांच कर सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत करेगा। इसी प्रकार किसी धार्मिक स्थल का उपयोग किसी भी रूप में चुनाव प्रसार के लिए नही किया जा सकेगा।

संपादकीय

इंटरनेट मीडिया का घातक असर

नई पीढ़ी से जुड़ी एक हालिया रिपोर्ट बहुत चिंतित करने वाली है। गैलप और वाल्टन फैमिली फाउंडेशन की एक रिपोर्ट यह कहती है कि 'जेन जी' अकेलेपन के भयावह दौर से गुजर रही है और खुद को अकेला महसूस कर रही है। 1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वालों को जेन जी पीढ़ी कहा जाता है। यह रुझान इसलिए और चिंता बढ़ाता है, क्योंकि यह वह पीढ़ी है जो पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक सुविधा संपन्न है। इसके बावजूद वह तनाव, चिंता और अवसाद में डूबी हुई है।

दुनिया भर के अन्य अध्ययन भी इस पीढ़ी के बारे में यही रुझान बताते हैं। दुखद पहलू यह है कि ऐसे रुझानों और मनोविज्ञानियों की चेतावनियों के बावजूद इस विषय पर आवश्यक चिंतन-मनन नहीं हो रहा है। मानसिक वेदना सहज ही किसी का ध्यानाकर्षण नहीं करती। विशेषकर इस संदर्भ में भारत की बात की जाए तो यहां मानसिक पीड़ा को तनाव तथा अवसाद का क्षणिक आवेग माना जाता है, जबकि यह ऐसा भाव है कि अगर समय रहते इसे न समझा जाए और इसका उपचार नहीं किया जाए तो यह घातक भी हो सकता है।

गैलप और वाल्टन फैमिली फाउंडेशन का उक्त अध्ययन समाज में लंबे समय से कायम उस मिथक को भी तोड़ता है कि संपन्नता खुशी और संतुष्टि की पर्याय है। वास्तविकता यह है कि समाज ने भौतिकवादिता का लबादा कुछ इस तरह ओढ़ रखा है कि उसके भीतर अकेलेपन के अलावा कुछ और शेष नहीं बचता। कम समय में अधिकतम की चाह मानव को कब मशीनीकृत ढांचे में परिवर्तित कर देती है, इसका अहसास उसे स्वयं नहीं होता। अंतहीन दौड़ के बीच संबंधों के निर्वहन में व्यतीत होने वाले समय के अनुपात में उस अवधि का उपयोग कर धन अर्जित करने की गणना युवाओं को अकेलेपन का चुनाव करने के लिए प्रेरित करती है। वह भी बिना इस तथ्य पर विचार कि कि अंततोगत्वा भावनाओं को संप्रेषित करने के लिए मानवीय संबंध अपरिहार्य हैं।

इस सत्य की अवहेलना युवाओं के हिस्से में अंततः वह अकेलापन लाती है, जहां उनकी पराजय, हताशा और निराशा देखने के लिए कोई रिश्ता शेष नहीं बचता। यही पीड़ा उन्हें अवसाद की ओर धकेल देती है। युवाओं के पीछे-.पीछे उन किशोरों का भी जमघट है, जो यद्यपि धन अर्जन की दौड़ में अभी सम्मिलित तो नहीं हुए हैं, परंतु मित्रता एवं नातेदारी जैसे शब्द उनकी शब्दावली से विलुप्त से हो रहे हैं। उसके स्थान पर उन्हें सगे-संबंधी और संगी-साथी का पर्याय प्रतीत होता है 'इंटरनेट मीडिया।' छद्म और आडंबर से भरी दुनिया 'जेन जी' को बहुत रास आ रही है।

चुनावी आचार संहिता सिर्फ दिखावे की चीज नहीं

राजेश बादल

चुनाव दर चुनाव प्रचार अमर्यादित और अभद्र हो रहा है। भाषा अश्लीलता की सीमा रेखा को पार कर चुकी है। वे सारे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, जो किसी जमाने में गंदे और घिनौने माने जाते थे।

किसी एक राजनीतिक दल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश सभी पार्टियां नैतिकता के सारे मापदंडों को भुला चुकी हैं। पांच प्रदेशों की विधानसभा के चुनाव चूंकि अगले साल लोकसभा निर्वाचन से ठीक पहले होने वाले चुनाव हैं, इसलिए दोनों शिखर पार्टियां तथा क्षेत्रीय दल अभी नहीं तो कभी नहीं वाले अंदाज में आमने-सामने हैं।

ऐसे में उनको नियंत्रित करने के लिए एक ही उपाय बचता है। यह उपाय आचार संहिता पर सख्ती से अमल होना है। एक जमाने में इसी आचार संहिता के सहारे मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन ने चुनाव के दरम्यान फैलने वाली सारी बीमारियों को ठीक कर दिया था। सारा देश आज तक उनको इस उपलब्धि के लिए याद करता है कि उन्होंने इस देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की परंपरा को पुनर्स्थापित किया।

तो फिर वही स्थिति लाने में बाधा कहां है? क्या हम सचमुच ईमानदारी से नहीं चाहते कि हमारे नुमाइंदे एक पारदर्शी और दोषरहित प्रणाली के जरिए चुने जाएं या फिर हमने मान लिया है कि यह राष्ट्र अब ऐसे ही चलेगा। यदि दोनों बातें भी सच हैं तो यह बहुत स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं है। हमारे संविधान को रचने वाले पूर्वज आज होते तो निश्चित रूप से पीड़ित होते।

जब हम आचार संहिता की बात करते हैं तो स्वीकार करने में हिचक नहीं है कि वर्तमान आचार संहिता का कोई वैधानिक आधार नहीं है। केरल विधानसभा के चुनाव में 1960 में सबसे पहले आचार संहिता को अमल में लाया गया। चुनाव आयोग ने 1962 के चुनाव में पहली बार लोकसभा चुनाव में इससे सभी राजनीतिक दलों को परिचित कराया। सारे दलों ने इसका पालन किया. इसके बाद सभी दलों के साथ आयोग की बैठकें हुईं। इनमें दलों ने आचार संहिता का पालन करने का वादा किया। पांच बार इसमें आंशिक संशोधन हुए और 1991 में टी. एन. शेषन के कार्यकाल में मौजूदा आचार संहिता को मंजूर किया गया। इसमें पहली बार जाति और धर्म के आधार पर प्रचार पर पाबंदी लगाई गई थी। इसका परिणाम भी देश ने 1996 के चुनाव में देखा था।

कोई कानूनी बाध्यता नहीं होते हुए भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने कठोरता से आचार संहिता का पालन करवाया। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मौजूदा आचार संहिता को न्यायिक मान्यता दी है लेकिन जब भी इसे वैधानिक रूप देने की बात उठी ,चुनाव आयोग ने ही इसका विरोध किया।

उसका तर्क है कि 45 दिनों में ही पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न करानी होती है। अगर आचार संहिता को वैधानिक रूप दिया गया तो अदालतों में मामले लटक जाएंगे। इससे समूची निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा पहुंचेगी।

चुनाव आयोग के इस मासूम तर्क ने मुल्क की निर्वाचन प्रणाली का बड़ा नुकसान किया है। दस साल पहले 2013 में एक समिति ने आचार संहिता को कानूनी रूप देने का सुझाव दिया था। इस संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि आचार संहिता के ज्यादातर प्रावधान कानूनों के माध्यम से लागू कर दिए जाने चाहिए। समिति ने यह सुझाव भी दिया था कि आचार संहिता को रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल एक्ट, 1951 का हिस्सा बनाया जाना चाहिए पर उन सिफारिशों को ठंडे बस्ते के हवाले कर दिया गया।

आमतौर पर आचार संहिता लगने के बाद नए सरकारी कार्यक्रमों और घोषणाओं की घोषणा रोक दी जाती है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि आचार संहिता के पहले राजनेता ऐसे वादे करें जो कभी पूरे ही नहीं हो सकते हों। मसलन एक प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी तथा मंत्रियों ने बीते दो-तीन महीनों में एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक की योजनाएं घोषित कर डालीं। एक वरिष्ठ अधिकारी का अनुमान है कि इन घोषणाओं को पूरा करने के लिए कम से कम पच्चीस साल चाहिए।

जंक फूड बच्चों का घटा रहा आईक्यू लेवल, शारीरिक रूप से भी बना रहा कमजोर

जंक फूड का ज्यादा सेवन और पौष्टिक भोजन से दूरी बच्चों में एकाग्रता की कमी ला रहा है। इससे उनका आईक्यू लेवल भी घटा रहा है। वहीं शारीरिक रूप से भी बच्चे कमजोर हो रहे हैं। ऐसा जरूरी पोषक तत्वों की कमी की वजह से हो रहा है। केजीएमयू के सहयोग से देश के 10 शहरों के 60 स्कूलों के 2428 बच्चों पर किए गए अध्ययन में ये बातें सामने आई हैं।

केजीएमयू के बाल रोग विभाग ने अध्ययन में शामिल किए गए बच्चों की खुराक और खून के विभिन्न टेस्ट के बाद रिपोर्ट तैयार की है। चौंकाने वाली बात है कि अध्ययन में शामिल कुल बच्चों में से 49.4 फीसदी में आयरन की कमी पाई गई। वहीं 39.7 प्रतिशत में विटामिन डी की कमी मिली। रिपोर्ट में बच्चों को जंक फूड के बजाय स्वास्थ्यवर्धक खाना देने की वकालत की गई है। अध्ययन की रिपोर्ट को जर्नल ऑफ न्यूट्रिशनल साइंस के अक्तूबर 2023 के अंक में प्रकाशित किया गया है।

केजीएमयू से इस अध्ययन में प्रो. शैली अवस्थी, डॉ. दिवस कुमार, डॉ. अब्बास अली मेहदी, डॉ. स्वाति दीक्षित, अनुज कुमार पांडेय शामिल रहे। प्रो. शैली अवस्थी बताती हैं कि नेशनल न्यूट्रिशन सर्वे-2019 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में एक चौथाई बच्चे दुबले हैं। इनमें से पांच से साढ़े छह फीसदी ज्यादा दुबले, 3.7 से 4.8 फीसदी तक बच्चे ओवरवेट हैं। विभिन्न मिनरल और विटामिन की कमी की वजह से बच्चों का विकास बाधित होता है और उनमें तमाम समस्याएं पैदा होती हैं। इसको देखते हुए इस अध्ययन की रूपरेखा तैयार की गई।

ऐसे किया गया अध्ययन

यह अध्ययन अप्रैल 2019 से फरवरी 2020 के बीच किया गया। अध्ययन के दौरान स्कूल के पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बच्चों को अल्फाबेटिकल आधार पर क्रमबद्ध किया गया। इन बच्चों को दो समूहों- छह से 11 और 12 से 16 वर्ष के ग्रुपों में बांटा गया। बच्चों के खून के सैंपल लेकर जांच की गई।

हर दूसरे बच्चे में आयरन की कमी

आयरन 49.4 फीसदी
विटामिन डी 39.7 फीसदी
विटामिन बी-12 33.4 फीसदी
फोलिक एसिड 22.2 फीसदी
कैल्शियम 20.6 फीसदी
सेलेनियम 10.4फीसदी
विटामिन ए 7.7 फीसदीजिंक 6.8 फीसदी

मिनरल व विटामिन की कमी से होने वाली समस्याएं

आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 - इनकी कमी से रक्ताल्पता की समस्या के साथ ही बच्चे का विकास भी प्रभावित होता है। फोलिक एसिड की कमी की वजह से एकाग्रता और आईक्यू लेवल में कमी आ सकती है।

जिंक - दिमाग के विकास में समस्या।
सेलेनियम - संक्रमण को कम करने में मददगार।
विटामिन-ए -अंधता और जानलेवा संक्रमण का खतरा।
कैल्शियम और विटामिन-डी- शारीरिक विकास में कमी। ■

नई जेलों के निर्माण में देरी, हाईकोर्ट ने शपथ-पत्र संग मांगा जवाब

क्षमता से अधिक कैदियों को रखे जाने पर दायर पीआईएल की सुनवाई

बिलासपुर। प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखने को लेकर दायर जनहित याचिका पर राज्य सरकार ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट में सौंपी। उसने बताया कि रायपुर, बिलासपुर और बेमेतरा में नई जेलों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हाईकोर्ट ने जेल महानिदेशक को 8 सप्ताह के भीतर नई स्टेटस रिपोर्ट शपथ-पत्र के साथ दाखिल करने कहा है।

मालूम हो कि प्रदेश के जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को अमानवीय परिस्थितियों में रखे जाने को लेकर एक जनहित याचिका अधिवक्ता सुनील पिल्लई के माध्यम से अधिवक्ता शिवराज सिंह ने दायर की है। इससे संबंधित दो अन्य विषयों पर हाईकोर्ट ने विभिन्न पत्रों पर स्वतः संज्ञान लिया है। इस संबंध में न्यायमित्रों की नियुक्ति कर रिपोर्ट भी मांगी गई थी। तीनों याचिकाओं की एक साथ सुनवाई हो रही है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने सितंबर माह में केंद्रीय जेल का निरीक्षण किया था, जिसमें पाया था कि 2290 की क्षमता वाले केंद्रीय जेल में 3153 कैदी हैं।

नई जेलों के निर्माण में हो रही देरी के संबंध में राज्य सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि पूर्व में बिलासपुर केंद्रीय जेल के निर्माण का ठेका एक कंपनी को 116 करोड़ रुपये में दिया गया था लेकिन जांच में यह पाया गया कि टेंडर लेने के लिए उसने फर्जी दस्तावेज जमा किये थे। इसके बाद उसका ठेका आदेश निरस्त कर नया टेंडर जारी किया गया है। रायपुर में भी नया जेल बनाने का प्रस्ताव है जिसके लिए राशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया है। इसके लिए भूमि मिल चुकी है। यहां विशेष जेल का निर्माण होगा। इसके अलावा बेमेतरा में खुली जेल बनाने का प्रस्ताव है जिसका काम अंतिम चरण पर है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस एन के चंद्रवंशी की बेंच ने राज्य सरकार तथा जेल महानिदेशक को शपथ पत्र के साथ कार्य योजना व नवीनतम स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है जिस पर सुनवाई 8 सप्ताह बाद होगी।

भाजपा के चुनाव संचालकों के कंधों पर संगठन ने डाला जीत का भार

भाजपा ने दिग्गजों को विधानसभावार दी संचालक की जिम्मेदारी

राजनांदगांव। विधानसभा चुनाव में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों को चुनावी रण में सांगठनिक रूप से सुलझे नेताओं को संगठन ने चुनाव संचालक का जिम्मा सौंप दिया है। पहले चरण के चुनाव में अविभाजित राजनांदगांव के अलावा कवर्धा जिले में भी 7 नवंबर को मत पड़ेंगे। कांग्रेस उम्मीदवार को पराजित करने के लिए भाजपा ने रणनीतिकतौर पर पूरी तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में विधानसभावार दिग्गज नेताओं को संचालक बनाया गया है। डोंगरगढ़ विधानसभा के लिए खूबचंद पारख संचालक होंगे।

खैरागढ़ विधानसभा में संगठन ने सचिन बघेल को बतौर संचालक जवाबदारी दी है। सचिन सांगठनिक रूप से काफी सुलझे माने जाते हैं। वह जिला पंचायत उपाध्यक्ष के अलावा सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी रहे हैं। संगठन में वह महामंत्री के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उनके सांगठनिक पृष्ठभूमि के कारण भाजपा ने विक्रांत सिंह की मदद के लिए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है।

पूर्व सांसद मधुसूदन यादव राजनांदगांव में रमन सिंह के लिए बतौर संचालक काम करेंगे। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों से बेहतर संबंध होने के कारण भी मधुसूदन को पार्टी पक्ष में माहौल बनाने के लिए संचालक बनाया गया है। खुज्जी विधानसभा में पूर्व विधायक कोमल जंघेल सियासी समीकरण को सुलझाने के लिए संचालक बनाया गया है। डोंगरगांव विधानसभा से युवा नेता नीलू शर्मा संचालक होंगे। शर्मा की डोंगरगांव की राजनीति में अच्छी पैठ है। इस तरह पार्टी ने दिग्गज नेताओं को संचालक बनाकर प्रत्याशियों का मनोबल बढ़ाया है।

मोदी के झूठ और अमित शाह की धमकियों का छत्तीसगढ़ की जनता पर कोई असर नहीं पड़ने वाला-डॉ. अजय

महासमुंद। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय उपाध्याय ने कहा कि हार का डर अभी से बीजेपी को सताने लगा है, तभी बीजेपी के बड़े नेता बौखलाहट में छत्तीसगढ़ की जनता को सीबीआई के नाम पर डराने-धमकाने और सताने पर उतर आए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी जी के झूठ और अमित शाह जी की इन धमकियों का छत्तीसगढ़ की सौम्य, सहनशील, सत्यमार्गी जनता पर कोई असर नहीं पडने् वाला है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के जन कल्याणकारी कार्यों की चर्चा प्रदेश के कोने-कोने में है। पार्टी ने चुनावी घोषणा पत्र में जनता से जितने वादे किए थे, उन सभी वायदों को बखूबी पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यों से जनता के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन हुआ है। भूपेश सरकार ने किसानों, मज़दूरों, माध्यमवर्ग, महिलाओं, युवाओं, पिछड़ों, दलित.आदिवासी समाज के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। हमारे पास विगत पांच सालों के कार्यों की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। हमारी सरकार ने सामान्य ज़रूरतमंद के खाते में पौनें दो लाख करोड़ रुपए सीधे डालने का काम किया है। हमारे नीतियों व निर्णयों से जनता में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संपन्नता बढ़ी है और इसलिए आम लोगों का कांग्रेस की सरकार पर भरोसा बढ़ा है। इसी जन भरोसा के बल पर हम फिर होंगे कामयाब होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही 2 घंटे के भीतर 10 हजार करोड़ की कर्ज़माफ ी, इनपुट सब्सिडी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों की आर्थिक ख़ुशहाली के संकल्प को पूरा किया है। हमारी सरकार ने बिजली बिल आधा करने का वादा किया था, उसे पूरा करके दिखाया है। रोजग़ार उपलब्धता के मामले में छत्तीसगढ़ सरकार ने कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ देश की एकमात्र ऐसी सरकार है, जिसने रोजग़ार उपलब्ध कराने के मामले में उत्कृष्ट काम किया है।

उनका कहना है कि विभिन्न जनोन्मुखी कार्यों के कारण भूपेश सरकार से प्रदेश की जनता बेहद खुश है। 15 साल के रमन.राज में घोटालों की भरमार थी। नान घोटाला, पनामा पेपर घोटाला, चिटफंड घोटाला, शौचालय घोटाला, रतनजोत घोटाला, इंदिरा प्रियदर्शिनी बैंक घोटालों के समाचारों से जनता रूबरू होती थी। शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद स्कूल की संकल्पना हो या महतारी दुलारी योजना की बात हो, प्रदेश ने शिक्षा क्षेत्र में एक नया मुक़ाम हासिल किया है। सर्वजन स्वास्थ्य योजना, डॉ.खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना, सीएम विशेष सहायता योजना ग़रीबों के लिए बेहद कारगर साबित हुआ है उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और बेहतर कार्यों का नतीजा है की नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में 40 लाख लोग गरीबी रेखा से ऊपर आये।

केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ की सरकार को 65 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। केंद्र की बीजेपी सरकार ने प्रदेश के विकास में लगातार व्यवधान डालने का काम किया। न नीति, न नेता, न संगठन सिर्फ़ सीबीआई के दम पर चुनाव लडने् की फिराक में है।

मेकाज में ब्रोंकोस्कोपी शुरू, मरीजों को जाना नहीं पड़ेगा राजधानी

जगदलपुर। शहीद महेन्द्र कर्मा स्मृति चिकित्सालय डिमरापाल जगदलपुर में ब्रोंकोस्कोपी की शुरूआत की गई है, बस्तर संभाग में यह पहला संस्थान है, जहां इसकी शुरुआत की गई है।

ज्ञात हो कि यह बस्तर संभाग में ब्रोंकोस्कोपी प्रारंभ करने वाला प्रथम संस्थान बना है, अब संभाग के मरीजों को जिन्हें पहले इस जाँच हेतु राजधानी एंव प्राइवेट संस्थानों का रुख करना पड़ता था, अब उन्हें इसका लाभ मेकाज में मिल सकता है।

ब्रोंकोस्कोपी-वायुमार्ग एवं फेफड़ों की दूरबीन द्वारा जाँच करने की तकनीक को ब्रोंकोस्कोपी कहते हैं।

ब्रोंकोस्कोपी क्यों की जाती है?

फेफड़ों की बिमारियों के निदान, पुरानी खांसी, खांसी में खून आना, फेंफड़ो का संक्रमण (टी.बी., निमोनिया) फेंफड़ों के कैंसर, श्वसन मार्ग में फंसी/अटकी कोई बाहरी तत्वों को हटाना आदि ब्रोंकोस्कोपी द्वारा जाँच एवं इलाज रेस्पीरेटरी मेडीसीन विभाग के डॉ. अमरदीपक टोप्पो, डॉ. गरिमा ध्रुव एवं डॉ. मनोज, डॉ. वीनिता के द्वारा किया जा रहा है।

डॉक्टरों ने बताया कि ब्रोंकोस्कोपी के कम से कम 6 घंटे पहले तक मरीज को कुछ खाना या पीना नहीं चाहिए। सेडेशन अक्सर उन लोगों को दिया जाता है, जिनकी लचीली ब्रोंकोस्कोपी की जाती है, और आमतौर पर सामान्य एनेस्थीसिया उन लोगों को दिया जाता है, जिनकी ह्द्धद्दद्धस्र ब्रोंकोस्कोपी की जाती है। लचीली ब्रोंकोस्कोपी में गले और नाक के मार्ग में एनेस्थीसिया छिडक़ा जाता है और नॉस्ट्रिल, मुंह या सांस की नली से होते हुए फेफड़े के हवामार्गों में ब्रोंकोस्कोप डाला जाता है और फेफड़ों की जांच की जाती है।

शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में नहीं कर सकेंगे राजनैतिक गतिविधियां

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिये कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रभात मलिक द्वारा आदेश जारी किया गया है कि निर्वाचन की घोषणा होने की तिथि से निर्वाचन समाप्त की तिथि के मध्य कोई भी राजनैतिक दल के व्यक्ति, मंत्रीगण, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारी आदि शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्राम गृह, उच्च विश्राम गृह आदि में चुनाव प्रचार-प्रसार अथवा राजनैतिक उद्देश्य से न तो ठहर सकेंगे और न ही वहां पर राजनैतिक गतिविधियां कर सकेंगे। पात्रतानुसार तथा उपलब्धता अनुसार उन्हें विश्राम गृह, उच्च विश्राम गृह आदि में कक्ष उपलब्ध कराया जाएगा, किन्तु इस हेतु निम्न कार्यवाही की जाएगी.

डेढ़ दशक से खुज्जी व मोहला-मानपुर सीट में जीत के लिए तरस रही भाजपा, नांदगांव में 15 साल से भाजपा का कब्जा

डोंगरगढ़-खैरागढ़ में दस साल से भाजपा का खाता रहा बंद, डोंगरगढ़ में 15 साल कब्जे के बाद भाजपा पिछला चुनाव हारी

राजनांदगांव। अविभाजित राजनांदगांव जिले की छह सीटों का चुनावी इतिहास बेहद रोचक रहा है। छह में से कुछ सीटें ऐसी है, जहां भाजपा जीत के लिए तरस रही है। चुनावी प्रदर्शन में भाजपा की स्थिति कांग्रेस के सामने कमजोर रही है। यह स्थिति ऐसे वक्त रही, जब सूबे में 15 साल तक भाजपा का शासन रहा। कांग्रेस को भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए हमेशा मतदाताओं का सहयोग मिलता रहा। राजनीतिक रूप से भाजपा 15 साल के भीतर अपनी जड़ें मजबूत नहीं कर पाई। पहली नजर डालें तो आदिवासी आरक्षित मोहला-मानपुर और खुज्जी विधानसभा में डेढ़ दशक से भाजपा जीत हासिल करने के लिए जोर लगा रही है।

2008 के बाद से इन दोनों सीटों पर कांग्रेस ने भाजपा को सामने टिकने नहीं दिया। मोहला-मानपुर से आखिरी भाजपा विधायक के तौर पर संजीव शाह निर्वाचित हुए। वहीं 2008 तक खुज्जी से स्व. रजिंदरपाल सिंह भाटिया सदन में विधायक के तौर पर रहे। 15 साल गुजर जाने के बावजूद भाजपा अपनी जड़ें इन दोनों सीटों पर मजबूत नहीं कर पाई। इसलिए 2008 से 2018 तक भोलाराम साहू और 2018 से 2023 तक छन्नी साहू ने खुज्जी विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया। इन दोनों सीटों के लिए भाजपा ने उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इधर पिछले 10 सालों से खैरागढ़ और डोंगरगांव में भी भाजपा अपना खाता नहीं खोल पाई है। डोंगरगांव से दलेश्वर साहू लगातार कांग्रेस के बैनर तले विधायक निर्वाचित होकर सदन में पहुंचते रहे हैं। आसन्न विधानसभा के लिए कांग्रेस ने फिर से दलेश्वर साहू को डोंगरगांव से प्रत्याशी घोषित किया है।

खैरागढ़ में 2013 में भाजपा के कोमल जंघेल कांग्रेस प्रत्याशी गिरवर जंघेल से पराजित हुए। 2018 के चुनाव में दिवंगत देवव्रत सिंह जोगी कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए। 2022 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने फिर से सीट पर कब्जा किया। इधर भाजपा के प्रदर्शन के लिहाज से राजनांदगांव विधानसभा एकमात्र ऐसी सीट है, जहां भाजपा का दबदबा कायम है। वजह यह है कि डॉ. रमन सिंह ने लगातार राजनांदगांव का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व मुख्यमंत्री 2008 से निरंतर इस सीट से विधायक चुनकर सदन में पहुंचे।

डॉ. सिंह के राजनीतिक व्यक्तित्व के सामने कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद लचर रहा। मौजूदा विधानसभा चुनाव में एक बार फिर डॉ. रमन सिंह को पार्टी ने चौथी बार प्रत्याशी घोषित किया है। उनके सामने गिरीश देवांगन को कांग्रेस ने बेहतर उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा है। डॉ. सिंह ने 2008 में दिवंगत नेता उदय मुदलियार को पराजित किया। डॉ. सिंह ने मुदलियार को 32 हजार मतों से पराजित किया था। 2013 में झीरम नक्सल हमले में मौत होने के कारण स्व. मुदलियार की पत्नी अलका मुदलियार ने रमन का मुकाबला किया। वह करीब 36 हजार मतों से चुनाव हार गई।

2018 में कांग्रेस प्रत्याशी करूणा शुक्ला ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह अपनी पराजय को टाल नहीं सकी। इस चुनाव में 16 हजार वोटों से डॉ. सिंह विजयी हुए। इस तरह डोंगरगढ़ विधानसभा में भी भाजपा का एक वक्त डेढ़ दशक तक कब्जा रहा, लेकिन 2018 के चुनाव में भाजपा अपनी सीट को बचाने में विफल रही। 2003 में विनोद खांडेकर, 2008 में रामजी भारती व 2013 में सरोजनी बंजारे विधायक चुनी गई।

पिछले विधानसभा चुनाव में सरोजनी बंजारे ने दोबारा टिकट लेकर कांग्रेस प्रत्याशी भुनेश्वर बघेल का सामना किया, लेकिन कांग्रेस की लहर के सामने श्रीमती बंजारे लगभग एकतरफा पराजित हो गई। उन्हें 35 हजार वोट से शिकस्त खानी पड़ी। कांग्रेस और भाजपा की राजनीतिक स्थिति पर नजर डालें तो यह साफ दिखता है कि कांग्रेस रमन सरकार के 15 साल के शासन के दौरान भी मजबूत रही। कांग्रेस ने पिछले चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। एकमात्र डॉ. सिंह बतौर भाजपा प्रत्याशी अपनी सीट बचाने में कामयाब हुए। मौजूदा विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। वहीं कांग्रेस को भी अपनी सीटें सुरक्षित करने के लिए पापड़ बेलने पड़ सकते हैं।

डाकलिया के बागी तेवर से कांग्रेस में खलबली

राजनांदगांव। राजनांदगांव विधानसभा से टिकट के प्रबल दावेदार रहे पूर्व महापौर नरेश डाकलिया ने बागी तेवर अख्तियार कर लिया है। स्वतंत्र उम्मीदवार की हैसियत से उन्होंने पर्चा दाखिल किया है। डाकलिया अपने समर्थकों के साथ चुनाव लड़ने को लेकर लगातार बैठकें कर रहे हैं। डाकलिया के इस कदम पर पार्टी की भी नजर है। उनके बागी होने की सूरत में कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन के सियासी समीकरण पर प्रतिकूल असर पड़ना तय है।

पूर्व महापौर नरेश डाकलिया ने अब निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी समर में उतरने का ऐलान भी कर दिया है। श्री डाकलिया ने मंगलवार को कलेक्टोरेट में पहुंचकर नामांकन फार्म लिया है। एक-दो दिन के भीतर वे पूरे दमखम के साथ अपना नामांकन भी दाखिल करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के पैनल में श्री डाकलिया का नाम काफी मजबूती के साथ सामने आया था। कांग्रेस की सर्वे रिपोर्ट में डाकलिया का नाम टॉप पर था।

कांग्रेस हाईकमान द्वारा लोकल स्तर पर किसी भी नेता को प्रत्याशी नहीं बनाए जाने के बाद से ही यह अटकलें लग रही थी कि श्री डाकलिया चुनावी मैदान में उतरेंगे। श्री डाकलिया अपने समर्थकों के साथ कलेक्टोरेट पहुंचे, जहां उन्होंने नामांकन फार्म ले लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार श्री डाकलिया एक-दो दिन के भीतर नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

अपने ही पार्षदों के अविश्वास प्रस्ताव से गई लैलूंगा नगर पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी

रायगढ़ । अपनों और संगठन की बेबसी के बीच फंसकर कांग्रेस नेता लैलूंगा नगर पंचयात अध्यक्ष मंजू मित्तल को अविश्वास प्रस्ताव में कुर्सी गवांना पड़ गया। अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 9 एवं विपक्ष 4 मत आये जिससे यह प्रस्ताव दो तिहाई बहुमत के आधार पर केवल दशमलव के बीच फंस गया। जहां 4 घंटे के कानूनी व निर्वाचन नियमो के बाद पीठासीन घरघोड़ा एसडीएम ने प्रस्ताव को पारित की।

नगर पंचायत कांग्रेस के पार्षदों ने अपने ही पार्टी के अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अविश्वास प्रस्ताव के लिए कलेक्टर के नाम एसडीएम को आवेदन सौंपे थे। इस आवेदन के बाद से कांग्रेस की राजनीति में उथल-पुथल मचा कर रख दिया था। कांग्रेस पार्षदो ने आवेदन के माध्यम से बताया कि नगर पंचायत लैलूंगा के अध्यक्ष मंजू देवी मित्तल द्वारा नगर विकास के लिये किसी भी प्रस्ताव पर अमल नहीं किया जाता है, अध्यक्ष द्वारा पी.आई.सी की बैठक में मनमाने तरीके से प्रस्ताव करते हुये भ्रष्टाचार किया जा रहा है। नगर में पद आसिन से अब तक साफ-सफाई पेय जल विद्युत व्यवस्था पुरी तरह चरमराई हुई है।

आम जनता के हित हेतु कोई भी कार्यों का इनके द्वारा नहीं कराया जा रहा है। स्वयं के भतीजे एक ठेकेदार है, जिसके साथ मिलकर करोड़ो रूपयों का भ्रष्टाचार किए जाने आरोप तक लगाए।

चुनावी ड्यूटी से नाम हटाने 4 सौ से अधिक आवेदन

दुर्ग। विधान सभा चुनाव में जिन लोगों की ड्यूटी लगाई गई है इनमें बहुत से लोग ड्यूटी से अलग करने शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे है। चुनाव ड्यूटी से नाम हटाने आवेदनों का अंबार लगा हुआ है। प्रतिदिन 2 सौ से अधिक आवेदन इस संबंध में संबंधित अधिकारी के कार्यालय प्राप्त हो रहे हैं जिला पंचायत कार्यालय में आवेदन करने वालों भीड़ देखी जा सकती है। अब जिला पंचायत सीईओ के समक्ष लगभग 4 सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके है।

जिला पंचायत कार्यालय में इन दिनों चुनाव ड्यूटी से पृथक करने का आवेदन हाथ में लिए कई अधिकारी कर्मनारियों को चक्कर काटते देखा जा सकता है। इनमें कई महिला कर्मचारी के साथ छोटे बच्चे भी होते हैं। बहुत से दिव्यांग कर्मचारी भी आ रहे हैं। मतदान दल गठन , प्रशिक्षण व अवकाश संबंधित दायित्व का कार्य देख रहे जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन इन सभी लोगों का आवेदन लेकर उनकी बाते सुन रहे हैं।

आवेदन करने वाले अधिकारी - कर्मचारी विभिन्न प्रकार के कारण बताते हुए चुनाव ड्यूटी से पृथक करने की मांग कर रहे कई लोग अपने स्वास्थ्य गत कारणों का हवाला देते हुए वर्तमान में चल रहे इलाज संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं, तो कुछ पुराने चिकित्सकीय इलाज का भी दस्तावेज लेकर पहुंच रहे हैं। कुछ दिव्यांगता की वजह से दिक्कत बताए हैं। इसी प्रकार मेटरनिटी, बच्चों की देखरेख, डबल ड्यूटी , माता-पिता के देखभाल आदि अलग-अलग तरह के कारण बता कर चुनाव ड्यूटी से नाम हटाने की गुजारिश कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जिन लोगों स्वास्थ्य गत कारणों का हवाला दिए है उन्हें जिला अस्पताल के मेडिकल बोर्ड से सर्टिफिकेट मंगाए जा रहे हैं मेडीकल बोर्ड के सर्टिफिकेट के आधार पर ही जिला पंचायत सोईओ ने ऐसे आवेदनों पर निर्णय लेने की बात कही है।

शिक्षिका ने लोन लेकर 105 सरकारी स्कूलों में बनाई स्मार्ट क्लास

वनांचल के बच्चों का भविष्य संवार रही शिक्षिका रंजिता

धमतरी। परंपरागत तरीके से विद्या अध्ययन कर रहे हैं वनांचल के बच्चों को बेहतर और रोचक ज्ञान दिलाने की देने के उद्देश्य से मगरलोड ब्लाक के ग्राम लुगे की शिक्षिका रंजीता ने उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है। वनांचल के 105 स्कूलों में स्वयं के खर्च से स्मार्ट टीवी लगवाया है। इसका सकारात्मक असर भी देखने को मिल रहा है। बच्चे खेल-खेल में ही पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चों के पालकों शिक्षिका के नए कार्य की खुले दिल से सराहना की है।

शिक्षिका रंजीता साहू ने वनांचल में बच्चों की शिक्षा का स्तर बेहतर करने की ठानी और उन्होंने किसी दूसरे का सहारा न लेते हुए स्वयं के खर्चे पर इसकी व्यवस्था करने की ठानी। आज स्थिति यह है कि जिले के वनांचल के 105 स्कूलों में उन्होंने स्मार्ट टीवी लगा रखा है। उन्होंने बैंक से 10 लाख रुपये का लोन लेकर 105 सरकारी स्कूलों को स्मार्ट क्लास बनाया है। इसके अलावा जल संरक्षित करने आधे एकड़ खेत को तालाब बनाया, जो गर्मी में भू- जल को रिचार्ज कर रहा है। साथ ही तीन हजार चंदन के पौधे स्कूलों में बांटे।

मगरलोड ब्लाक के ग्राम लुगे में पदस्थ शिक्षिका रंजीता साहू महज 37 साल की हैं। वे वर्ष 2009 से सरकारी स्कूल में कार्यरत हैं। उनके पति तुमनचंद साहू इनकम टैक्स अधिकारी हैं। वर्ष 2015 में उन्होंने आर्थिक तंगी के बीच आदिवासी बाहुल्य इलाके में शिक्षा का अलख जगाने पहल शुरू की। बीच में फंड की समस्या आई, तो दो साल पहले बैंक से 10 लाख रुपये का लोन लिया। इसी पैसे से 105 नग स्मार्ट टीवी खरीदे गए। नगरी, कुरुद, मगरलोड और धमतरी ब्लाक के सरकारी स्कूलों में एक-एक टीवी लगाया गया। इसमें शिक्षिका रंजीता साहू को शाला प्रबंधन समिति, पालक समिति और स्कूलों के शिक्षकों ने कुछ राशि देकर सहयोग किया।

वहीं शिक्षिका रंजीता साहू अपने वेतन से करीब आठ लाख रुपये और खर्च कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर बच्चे अंग्रेजी और गणित में कमजोर होते हैं। वर्णमाला में बच्चों को पढ़ने में परेशानी होती है। ऐसे में सोचा कि बच्चों के लिए सरल बनाने वर्णमाला तैयार की जाए। पति के सहयोग से 10 साल में ए से लेकर जेड तक अंग्रेजी और गणित शब्दों के लिए टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) वर्णमाला बनाई गई। यह चार्ट अब तक 10 हजार बच्चों को वितरण किया गया। बच्चों की पढ़ने में रुचि भी बढ़ी है। साथ ही इस वर्णमाला का फ्लेक्स बनाकर 100 स्कूलों में वितरण किया गया है। मालूम हो कि उन्हें बीते साल ज्ञानदीप पुरस्कार और इस साल उत्कृष्ट शिक्षक का सम्मान मिला है।

शिक्षिका का प्रयास अन्य के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी बृजेश वाजपेई ने कहा कि शिक्षिका रंजीता साहू का प्रयास काफी सराहनीय है। यह कार्य सभी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। शिक्षा के प्रति इस तरह के समर्पित शिक्षकों के कारण ही आज शिक्षा का स्तर बहुत तेजी के साथ ऊंचा होते जा रहा है। सभी को इस तरह का सकारात्मक प्रयास अवश्य करना चाहिए।

रायगढ़ रेलवे स्टेशन में लिफ्ट की योजना कागजो में अटकी

रायगढ़। चालू वित्तीय वर्ष में रेल बजट में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1275 स्टेशनों को रेल मंत्रालय ने आधुनिकीकरण के साथ कायाकल्प किए जाने की नीति निर्धारण किया है। इसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़ समेत 49 स्टेशन शामिल है। रायगढ़ स्टेशन में लिफ्ट की घोषणा की गई, विडंबना यह है करीब 6 माह पहले लिफ्ट का समान भी सर्म्बधित ठेकेदार व विभाग अधिकारी ने लगाने ले आए किंतु अधिकारियो की उदासीनता की वजह से यह बंद केंटनर से बाहर ही नही आ पाया है, जिसके चलते स्टेशन में स्वीकृत सुविधाओं का लाभ नही मिल रहा है।

अमृत भारत मिशन के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 49 स्टेशन का कायाकल्प किया जाना है।जिसमे न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने की घोषणा की गई है। और इस मास्टर प्लान को लक्ष्य के साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना है । स्टेशन पर नई सुविधाओं की शुरूआत के साथ ही पुरानी सुविधाओं को भी इस योजना के तहत अपग्रेड करना है। मुख्य रूप से विभिन्न् स्टेशनों में जरूरत के अनुरूप यात्री सुविधाओं के उन्नयन का प्रस्ताव है।

इसमें स्टेशन तक पहुंच मार्ग, गेट व स्टेशन परिसर का विकास, प्लेटफार्म शेल्टर, स्टेशनों के एलईडी नेमबोर्ड, स्टेशन परिसर में पर्याप्त लाइटिंग केफेटेरिया, स्थानीय कला एवं संस्कृति को शामिल करते हुए स्टेशनों का सुंदरीकरण, सीसीटीवी कैमरा, दिव्यांग फ्रेंडली शौचालय, पार्सल के लिए अलग जगह, स्टेशनों पर स्थित कार्यालयों के लिए उचित जगहों का चिन्हांकन, साइनेज, सीसीटीवी समेत कई प्रमुख कार्य इस योजना के अंतर्गत होंगे। इसी के तहत रायगढ़ स्टेशन में लिफ्ट लगाया जाना है इधर पहले प्लेटफार्म के झारसुगुड़ा एंड फुट ब्रिज के पास लगाया जाना है। वहीं,स्थल चयन होते ही लाखों रूपए की मशीन रायगढ़ स्टेशन के बाहर कंटेनर में आ गया। वही सिविल व तकनीकी कार्य का रोड़ा इस लिफ्ट के रास्ते मे आ गया है।

विभाग के अधिकारियों का दबे जुबान स्वीकार कर रहे है कि शासन द्वारा बैगेर जमीनी स्तर का आंकलन किए एवं सिविल कार्य को दरकिनार कर इसे जल्दबाजी में घोषणा कर दिए है जिसले चलते यह लिफ्ट की योजना और लिफ्टमान कंटेनर से बाहर ही नही निकल पाया है।

लड़के के शरीर में मिला गर्भाशय, डाक्टर देख हुए हैरान

दुनिया में ऐसे केवल 300 केस

धमतरी। धमतरी जिले में एक अत्यंत दुर्लभ आपरेशन का मामला सामने आया है। एक युवक के पेट से गर्भाशय निकाला गया। ये अंग सिर्फ महिलाओं में ही होते हैं, लेकिन इस लड़के के पेट में ये अंग जन्म से ही थे। मेडिकल फील्ड के अनुसार विश्व में इस तरह के महज 300 केस सामने आए हैं।

दरअसल, मामला 25 सितंबर 2023 का है। कांकेर क्षेत्र का एक युवक धमतरी नया बस स्टैंड स्थित उपाध्याय नर्सिंग होम पेट दर्द की समस्या लेकर पहुंचा था। डा रोशन उपाध्याय ने बताया कि जांच में युवक का हार्निया फंसा होना व दोनों तरफ के अंडकोष की गोली का नहीं होना पाया गया।

जब युवक का दूसरे दिन आपरेशन किया गया तब एक दुर्लभ अंग उसके पेट में दिखाई दिया। यह अंग गर्भाशय व नसबंदी की नली निकली। अंडकोष के दोनों तरफ की गोली दायीं तरफ पेट में थी। यह बहुत ही दुर्लभ मामला था। तत्काल इसकी जानकारी मरीज के परिजनों को दी गई।

साथ ही सभी अंग दिखाए गए। परिजनों की अनुमति के बाद ही युवक के पेट के अंदर स्थित गर्भाशय को सर्जरी कर निकाला गया। साथ ही दायीं अंडकोष की गोली को पेट से निकालकर नीचे थैली में रखा गया। जिसे औरचिडोपेक्सी कहते हैं। दाहिने तरफ के हार्निया का भी आपरेशन किया गया।

डा उपाध्याय ने बताया कि इस बीमारी को परसिस्टेंट मलेरिया डक्ट सिंड्रोम (पीएमडीएस) कहते हैं। यह जीन में म्यूटेशन परिवर्तन की वजह से होता है। इसमे पुरुष का जननांग बाह्य रूप से सामान्य होता है। परंतु पेट के अंदर स्त्री के गर्भाशय, नली, अंडाणु, पाए जाते हैं।

अबतक विश्व में इस तरह के 300 केस की पुष्टि की जा चुकी है। धमतरी बस्तर सहित छत्तीसगढ़ का यह संभवत: पहला मामला है। इस आपरेशन में डा रोशन उपाध्याय, डा रश्मि उपाध्याय, डा प्रदीप देवांगन, डा मॉर्टिन उपस्थित थे।

बिरनपुर में आगजनी मामले में कोर्ट ने सभी आरोपियों को किया बरी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के तहत ग्राम बिरनपुर में 10 अप्रैल 2023 को हुई आगजनी मामले में पकड़े गए आठ आरोपियों को जिला कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है। इन सभी आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ मिला है। वहीं गलत विवेचना किए जाने पर कोर्ट ने तत्कालीन एसपी इंदिरा कल्याण एलिसेला (आईपीएस), एएसपी पंकज पटेल व थाना के एएसआई भानूप्रताप पटेल के खिलाफ जांच करने राज्य के डीजीपी व दुर्ग आईजी को निर्देश दिए है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा ने शनिवार को सुनाया है। जानकारी अनुसार अभियुक्तगण प्रदीप रजक पिता अनुज रजक उम्र 21, दिनेश रजक पिता जनक रजक उम्र 23, दुर्गेश पिता होरी लाल वर्मा उम्र 19, अजय रजक पिता कृष्णा रजत उम्र 27 वर्ष व प्रवीण कुमार साहू पिता काशीराम साहू उम्र 27 वर्ष सभी निवासी ग्राम पेंडरवानी, जिला खैरागढ़, संदीप उर्फ संतोष साहू पिता पारस राम साहू उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम राम्हेपुर थाना सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम, मनीष उर्फ दुर्गश धुर्वे पिता फेरहाराम धुर्वे उम्र 21 व शिवा पिता रतन मंडावी उम्र 22 दोनों निवासी ग्राम चिलगुड़ा, जिला खैरागढ़ को आईपीसी की धारा 147, 148, 149 व 436 के तहत अप्रैल माह में गिरफ्तार किया गया था। इनके खिलाफ आरोप था कि 10 अप्रैल को ग्राम बिरनपुर, नहर किनारे खातून बी के मकान को आग के हवाले कर दिया गया।

कांग्रेस के जयसिंह से निपटने भाजपा हर बार उतारती है नया चेहरा

कोरबा विधानसभा-परिसीमन के बाद से जिले की चार सीट में तीन पर कांग्रेस व एक पर भाजपा का कब्जा

कोरबा। जिले में परिसीमन के बाद जब से तीन से बढ़ कर चार विधानसभा सीट हुए हैं, तब से तीन सीट पर कांग्रेस व एक पर भाजपा का कब्जा रहा है। लगातार तीन बार यही स्थिति रही और अब देखना यह है कि चौथी बार होने वाले इस विधानसभा चुनाव में यह मिथक टूटेगा या फिर बरकरार रहेगा। एक और संयोग यह है कि कोरबा विधानसभा के गठन के बाद से यहां कांग्रेस से जयसिंह अग्रवाल विधायक बनते आ रहे। कोरबा विधानसभा के इस अभेद किला ढहाने भाजपा हर बार नए चेहरे पर दांव लगाती है।

परिसीमन के पहले कटघोरा विधानसभा में कोरबा भी समाहित था। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया गया। इसके बाद वर्ष 2003 में पहला चुनाव हुआ, पर परिसीमन नहीं होने की वजह से कोरबा क्षेत्र कटघोरा विधानसभा के अंतर्गत ही समाहित रहा। राज्य बनने के बाद दूसरा चुनाव होने के पहले वर्ष 2008 में परिसीमन हुआ और नगर निगम के वार्ड अंतर्गत कोरबा विधानसभा सीट का गठन किया गया। कांग्रेस ने यहां से जयसिंह अग्रवाल को मैदान में उतारा, तो भाजपा ने बनवारी लाल अग्रवाल पर दांव खेला, पर जयसिंह की विजय हुई। यही स्थिति वर्ष 2013 के चुनाव में बनी और कांग्रेस ने दोबारा जयसिंह को टिकट प्रदान की। इस बार यहां भाजपा ने महापौर रहे जोगेश लांबा को मैदान में उतारा, पर भाजपा पुनः पराजित हो गई। तीसरी बार वर्ष 2018 में कांग्रेस ने दो बार के विधायक रहे जयसिंह अग्रवाल पर विश्वास जताते हुए मैदान में उतारा, तो भाजपा ने पिछड़ा वर्ग का कार्ड खेलते हुए विकास महतो के रूप में नया चेहरा खड़ा किया। अग्रवाल ने पार्टी के विश्वास को कायम तीसरी बार जीत हासिल की। इस तरह भाजपा ने तीनों बार नया चेहरा सामने लाया, पर तीनों बार जयसिंह अग्रवाल को परास्त नहीं कर सके। दरअसल जयसिंह अग्रवाल की चुनावी रणनीति के सामने सभी फेल हो गए। स्थिति यह रही कि पार्टी के लोग अपने प्रत्याशी को जिताने जमीनी स्तर पर कार्य नहीं कर सके। अब भाजपा ने एक बार फिर नए चेहरे के रूप में नगर निगम के पूर्व महापौर व पूर्व संसदीय सचिव लखनलाल देवांगन को टिकट दिया है। अब देखना यह है कि लखन, कांग्रेस के इस किला को भेद पाते हैं अथवा नहीं।

कोरबा व पाली-तानाखार में है कांग्रेस का कब्जा

जिले में चार विधानसभा सीट कोरबा, कटघोरा, रामपुर व पाली-तानाखार है। इसमें पाली- तानाखार व रामपुर आरक्षित सीट है, जबकि कोरबा व कटघोरा सामान्य वर्ग की सीट है। यह अलग बात है कि कटघोरा सीट से पहले आदिवासी वर्ग के बोधराम चुनाव जीतते रहे है। वहीं पिछड़ा वर्ग से लखनलाल देवांगन ने एक बार जीत हासिल की। जिले की बात की जाए, तो कोरबा व पाली- तानाखार सीट कांग्रेस का गढ़ बन चुकी है।

परिसीमन के बाद इस सीट पर कांग्रेस लगातार जीत हासिल कर रही है। वहीं रामपुर व कटघोरा में भाजपा काबिज हो रहा है। वर्ष 2008 व 2018 में रामपुर विधानसभा सीट से भाजपा के ननकीराम कंवर विजयी रहे, तो दूसरी तरफ वर्ष 2013 में कटघोरा से भाजपा के लखनलाल ने जीत हासिल की थी। अब वर्ष 2023 के चुनाव में जिले में क्या स्थिति बनती है, यह तो तीन दिसंबर को आने वाले परिणाम के दौरान ही स्पष्ट हो पाएगा।

उप जेल सक्ती में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सक्ती। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति सक्ती के कुशल मार्गदर्शन में उप जेल सक्ती में मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती गंगा पटेल एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दिव्या अग्रवाल के उपस्थिति में आयोजित किया गया उप जेल सक्ती के चिकित्सक डॉ सुदर्शन भारद्वाज के द्वारा उप जेल सक्ती में सभी निरूद्ध बन्दियों का शारीरिक एवं मानसिक परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वस्थ्य मानसिक के लिए जरुरी जानकारी दी गयी इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती गंगा पटेल ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक रुप से सबको स्वस्थ रहना चाहिए मानसिक विकार उत्पन्न होने से व्यक्ति का ध्यान भटकता है अच्छी सोच मानसिक स्वास्थ्य रखने के लिए आवश्यक है।

यहाँ उपजेल सक्ती में निरूद्ध बन्दियों को अच्छी सोच रखनी चाहिये ताकि व्यक्ति अपराध की ओर आकर्षित न हो न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दिव्या अग्रवाल ने मानसिक स्वास्थ्य शिविर में उपजेल सक्ती में निरूद्ध बन्दियों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां आपकी दिनचर्या निर्धारित है और खाली समय मे अपने बैरक में अच्छी परिचर्चा होनी चाहिये जिससे अच्छी विचारधारा बने एवं अपराध के प्रति लोग दूर हो सके जेल में ऐसा अच्छा माहौल तैयार करना निरूद्ध बन्दियों के साथ साथ जेल प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर न्यायाधीश गणो के अलावा जेल के चिकित्सा स्टाप चन्द्रभान मंडावी, सुशील त्रिवेदी, कोमल नवरंग सहित जेल के कर्मचारियों तथा निरूद्ध बन्दियों की उपस्थिति रही।

आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में नहीं हुई गड़बड़ी, लिपिकीय त्रुटि से अंकों का गलत उल्लेख-डीईओ

बलौदाबाजार। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के संबंध में भ्रामक प्रकाशित समाचारों को कलेक्टर ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस संबध में जिला शिक्षा अधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट ली है। जांच रिपोर्ट में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा उक्त खबरों को सिरे से नकारते हुए भूलवंश लिपकीय त्रुटि से हुई गलती बताया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री देवांगन ने इस संबध में विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय अंग्रेजी माध्यम समिति जिला बलौदाबाजार - भाटापारा द्वारा जिले के व्याख्याता (गणित) विषय का साक्षात्कार 20 सितंबर 2023 को तीन साक्षात्कार विशेषज्ञों द्वारा लिया गया,जिसमें आवेदकों को अंक प्रदान किये गए। दिनांक 06 अक्टूबर 2023 को जारी गणित विषय की प्रावीण्य सूची में निम्न टंकन त्रुटियों के संज्ञान मे आने के पश्चात् त्रुटि सुधार कर पुनः संशोधित प्रावीण्य सूची 06 अक्टूबर 2023 को तत्काल जारी की गई जो कि विस्तृत में निम्नानुसार है ।

नेहा साहू, शाला- कसडोल, विषय- गणित (व्याख्याता) को 6 अक्टूबर को जारी प्रावीण्य सूची में साक्षात्कार का 20 प्रतिशत में से 23.66 अंक मुद्रित पश्चात् टंकन त्रुटिवश जारी हुई। इसमें तीन साक्षात्कार विशेषज्ञों द्वारा समस्त अभ्यार्थियों को अंक प्रदान किये गए है, लेकिन टंकन त्रुटिवश नेहा साहू को साक्षात्कार दल के चौथे विशेषज्ञ का त्रुटिवश अंक 20 मुद्रित हो गये है और औसत की त्रुटि युक्त गणना इस प्रकार की गई ।

त्रुटि युक्त गणना (15 +17+19+20)/3 = 71/3 = 23.66 हो गया था।

-सही गणना (15+17+ 19 +00)/3 = 51/3 = 17 है

बाकि समस्त अभ्यार्थियों को भी चौथे साक्षात्कार विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रपत्र में चौथे विशेषज्ञ का अंक शून्य मुद्रित है। क्योंकि चौथा विशेषज्ञ साक्षात्कार दल में शामिल ही नहीं था, बल्कि तीन साक्षात्कार विशेषज्ञों के द्वारा ही संपन्न किया गया है। अतः नेहा साहू को प्रदत्त चौथे साक्षात्कार विशेषज्ञ के कॉलम में मुद्रित अंक को दस्तावेजी परीक्षण पश्चात् शून्य मुद्रित कर संशोधित प्रावीण्य सूची जारी की गई, जिसमें चयनित अभ्यर्थी प्रभावित नहीं हुए है।

इसी प्रकार मिताली स्वर्णकार, शाला - निपनिया, विषय - गणित व्याख्याता का स्नातकोत्तर में प्राप्त 65.2 प्रतिशत का 40 प्रतिशत त्रुटियुक्त गणना में 29.70 प्रतिशत लिया गया। जबकि सही गणना 26.02 प्रतिशत होता है। इस प्रकार कुल योग 68.34 के स्थान पर 64.72 प्रतिशत सही गणना पश्चात् हुआ एवं प्रावीण्य सूची में पूर्व में चौथे स्थान पर थीं, संशोधन पश्चात् पांचवें स्थान पर आ गई।

विरेन्द्र दास, शाला निपनिया, विषय - गणित (व्याख्याता) का भी स्नातकोत्तर में प्राप्तांक 64.4 प्रतिशत का 40 प्रतिशत त्रुटियुक्त गणना के कारण 34.96 प्रतिशत लिया गया, जबकि सही गणना में 25.75 प्रतिशत होता है। इस प्रकार विरेन्द्र दास की संशोधन से पूर्व कुल योग 76.35 प्रतिशत होने के कारण प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान होने के कारण चयनित हो गये थे, लेकिन त्रुटि संज्ञान में आने पर दस्तावेजी परीक्षण पश्चात् सही गणना किये जाने पर कुल योग 67.14 प्रतिशत हुआ एवं संशोधित प्रावीण्य सूची में विरेन्द्र दास पांचवें स्थान पर आये तथा यतिशा चौधरी का संशोधित प्रावीण्य सूची में अधिकतम 71.94 प्रतिशत होने के कारण प्रथम स्थान में चयन हुआ।

इस प्रकार त्रुटि संज्ञान में आने पर संशोधित प्रावीण्य सूचीं एनआईसी के माध्यम से इंटरनेट पर तत्काल दिनांक 6 अक्टूबर 2023 को जारी की गई जिसे से कुछ लोगों द्वारा वीडियो क्लिपींग वायरल कर दिगभ्रमित कर जिला स्तरीय समिति की छवि एवं विभाग की भी छवि को धूमिल करने का कुत्सित प्रयास किया गया एवं शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी मुख्य शीर्षक से समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के प्रकाशन से पूर्व ही समिति द्वारा त्रुटि की पहचान कर संशोधित प्रावीण्य सूची लोगों की जानकारी हेतु एनआईसी के माध्यम से इंटरनेट पर जारी की गई है।

सख्ती, सतर्कता, सावधानी और शालीनता से कार्य करने के दिये निर्देश

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्वाचन व्यय निगरानी (ईईएम) के तहत एफएसटी, एसएसटी वीवीटी को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अर्चना झा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रशिक्षक भूपेंद्र जांगड़े द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आदर्श आचार संहिता के तहत दिये जाने वाले सभी निर्देशों की जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण दलों के कार्यों, दौरा, दैनिक प्रतिवेदन भेजने, जिला-राज्य की सीमा क्षेत्रों पर निगरानी व कार्यवाही करने के संबंध में विस्तार से बताया गया। व्यय अनुवीक्षण दलों को अपना कार्य पूरी पारदर्शिता एवं स्वतंत्र व निष्पक्ष होकर करना है। जो परस्पर एक-दूसरे दल से जुड़े रहेंगे। समस्त दल को आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए सावधानी, सख्ती, सतर्कता और शालीनता से कार्य करने के निर्देश दिये गये। चेक पोस्टों पर निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने कहा गया। टीम द्वारा अभ्यर्थियों के द्वारा किए जा रहे वैध एवं अवैध खर्चों की सघन जांच और निगरानी करेंगे।

अतिरिक्ति पुलिस अधीक्षक श्रीमती झा ने प्रशिक्षण में बताया कि जिला एवं अंतर जिला में माल परिवहन के समय विक्रेता व्यवसायी को इनवाईस के साथ-साथ डिलीवरी चालान के साथ डिलीवरी चालान का क्रमांक एवं दिनांक, विक्रेता व्यवसायी का नाम, पता जीएसटीएन, क्रेता व्यवसायी का नाम, पता जीएसटीएन, एचएसएन कोड, वस्तु की मात्रा, कर योग्य राशि, कर की दर एवं हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से होना चाहिए। नगद परिवहन की स्थिति में 10 लाख से अधिक कैश को आयकर विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। बिना वैध एवं आवश्यक दस्तावेज के माल परिवहन करते पाये जाने पर जीएसटी अधिनियम, राजस्व अधिनियम एवं पुलिस विभाग की धाराओं के तहत माल की जब्ती, कुर्की की जा सकती है जब तक कि आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जाता है। इस दौरान वीडियोग्राफी टीम को घटना स्थल में कार्यवाही का वीडियोग्राफी करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही एफएसटी, एसएसटी एवं वीएसटी टीम को ईएसएमएस (इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम) सीविजिल एप्प की कार्यप्रणाली के संबंध में अवगत कराया गया।

कलेक्टर और एसपी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निर्वाचन की तैयारियों का लिया जायजा

मतदान कार्य के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस के जवानों के ठहरने जिले के विभिन्न स्कूल, कॉलेज, छात्रावास व विश्राम गृह में व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

सक्ती। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों और निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों कर्मचारियों के लिए ठहरने की व्यस्थाओ का जायजा लेने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक एम आर आहिरे ने आज जिले के विभिन्न स्कूल, कॉलेज छात्रावास और विश्राम गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखरौदा के सद्भावना भवन, छपोरा के हायर सेकेण्डरी स्कूल, शासकीय प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, हसौद के नए छात्रावास भवन, कन्या छात्रावास, शासकीय नवीन महाविद्यालय के बालक

छात्रावास, विश्राम गृह व जैजैपुर विश्रामगृह सहित विभिन्न निर्वाचन कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान कार्य में लगे अधिकारियों कर्मचारियों व पुलिस बल के रुकने व खाने की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को विभिन्न आवश्यक निर्देश दिए। जिससे सुव्यस्थित ढंग से निर्वाचन कार्य संपादित कराया जा सके। कलेक्टर ने मालखरौदा के सद्भावना भवन का जायजा लेते हुवे जल्द से जल्द भवन की सफाई सहित दीवालों की पुट्टी और पेंटिंग कार्य कराने के निर्देश दिये।

शासकीय नवीन महाविद्यालय के बालक छात्रावास की साफ सफाई, सुचारू रूप से पीने के पानी की व्यवस्था, रसोई कक्ष को व्यवस्थित करने सहित अन्य निर्देश दिए। हसौद के विश्राम गृह में सफाई के साथ ही वहां कंप्यूटर सिस्टम सेटअप करने व अन्य आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही बाराद्वार के विश्राम गृह में भी निर्वाचन कार्य के लिए आने वाले अधिकारियों के ठहरने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश उन्होंने दिए है।

निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी बालेश्वर राम, अपर कलेक्टर बीरेंद्र कुमार लकड़ा, एसडीएम सक्ती पंकज डाहिरे, एसडीओ पीडब्ल्यूडी राकेश द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी बी. एल. खरे, तहसीलदार मनमोहन सिंह, भीष्म पटेल, विद्याभूषण साव, मोहित साहू सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

ढाई हजार छात्रों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

बिलासपुर। नागरिकों को स्वस्थ रहने और स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के लिए एसईसीएल के द्वारा 16 अक्टूबर एक सराहनीय पहल की गई। डीएवी विद्यालय द्वारा सुबह 8 बजे वसंत विहार कालोनी से ढाई हजार बच्चों ने विशाल रैली निकाली। रैली का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसईसीएल कल्याण महाप्रबंधक रत्नेश कुमार श्रीवास्तव व सहित अन्य अधिकारियों ने मिलकर की।

यह रैली विद्यालय के मुख्य द्वार से शुरु होकर वसंत विहार कालोनी से गुजरती हुई विद्यालय की मुख्य द्वार पर संपन्न हुई द्य इस दौरान रैली में स्कूल बैंड के द्वारा बजाई गई धुन व भारत माता के जयकारे ने पूरे वातावरण को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर दिया द्य पूरा देश महात्मा आनन्द स्वामी जी की 141 वी वर्षगाठ मना रहा है। इस उपलक्ष में डीएवी विद्यालय इस सप्ताह आर्य समाज चेतना शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। भगवा वस्त्र पहने लगभग 2500 बच्चों ने भव्य रैली निकाली। जिसमे नर्सरी से लेकर कक्षा 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। आनंद स्वामी सरस्वती जी के कार्यों की विवेचना करते हुए विद्यालय प्राचार्य के पर्थिपन ने बताया कि महात्मा आनंद स्वामी जी का जीवन अत्यंत ही प्रेरणादायक व अनुकरणीय हैं। जहां एक ओर स्वामीजी आर्य समाज के कुशल नेता थे। वहीं दूसरे ओर एक सफलतम पत्रकार कर्मठ, दयावान सादगी व सरलता की पवित्र मूर्ति थे। पर्थिपन ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने समाज में नारियों के शिक्षा और उत्थान तथा बाल शिक्षा पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने बाल विवाह जैसी कुरुतियो को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने का यथासंभव प्रयास किया। हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम उनकी शिक्षाओं को अपनाएं और उन्हें सच्चे मन से श्रद्धा सुमन अर्पित करें। डाक्टर कलाम के जीवन से प्रेरणा ले - प्राचार्य इसी कड़ी में 15 अक्टूबर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति व महान वैज्ञानिक डा. एपीजे अब्दुल कलाम आजाद का जन्म दिवस था। जिनके सम्मान में पूरे देश में वर्ल्ड स्टूडेंट डे के रूप में मनाया गया। डीएवी विद्यालय में भी डा.कलाम के सम्मान में आयोजित इस रैली में विद्यालय प्राचार्य के पर्थिपन ने बच्चों को डाक्टर कलाम के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

बच्चों का हो रहा सर्वांगिण विकास

डीएवी विद्यालय में विद्यार्थियों की जीवन शैली को उत्कृष्ट बनाने के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत डीएवी गो ग्रीन, नो प्लास्टिक, वर्ल्ड स्टूडेंट डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट डे, का सफल आयोजन किया जाता रहा है, जिससे विद्यार्थी न केवल एक अच्छा विद्यार्थी बन सके अपितु समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बन समाज के उत्तरोत्तर विकास में अपना सहयोग दे सके।

आज पालक भी गरबा कार्यक्रम में शामिल होंगे डीएवी विद्यालय में भव्य स्तर पर मंगलवार को गरबा, हवन यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम में भारी संख्या में पालक भी शामिल होंगे। स्कूल प्रबंधन द्वारा तैयारी पूरी कर ली है। शाम पांच बजे के बाद कार्यक्रम प्रारंभ होगा। यह कार्यक्रम एतिहासिक रहेगा। पहली बार पालकों के साथ शिक्षक व बच्चे गरबा में शामिल होंगे।

गरियाबंद जिले के सोरिद खुर्द स्थित रमई पाठ में आज भी मौजूद हैं त्रेतायुग की निशानियां

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के सोरिद खुर्द (छुरा-फिंगेश्वर रोड) स्थित रमई पाठ में त्रेतायुग की अनेक निशानियां मौजूद हैं। खैर और कर्रा के पेड़ों से तैयार यहां के घने जंगल में मौजूद पहाडियां और उनसे गिरते झरने आज भी लोगों को यहां रम (रुक) जाने के लिए विवश करता है। झरन, गरगच और देवताधर पहाड़ी की विशेषताएं आज भी क्षेत्र के घरों में माता सीता और प्रभु राम के प्रति उनकी भक्ति की कथा का गवाह रूप है। वाल्मिकी रामायण में उल्लेखित सीता वनगमन के जंगल और पहाड़ियों पर मौजूद शिलालेख सोरिद खुर्द के रमई पाठ को रामराज्य के काल से जोड़ते हैं।

किवदंती के अनुसार अयोध्या से परित्यज होने के बाद सीता माता को लक्ष्मण जी सोरिद खुर्द के जंगल में छोड़ गए थे। यहां की तीनों पहाड़ियों से घिरे एक पाठ (पठारी) क्षेत्र में माता सीता का मन रम गया और इसे रमई पाठ की पहचान मिली। कहा जाता है कि गर्भवती मां सीता यहां कुछ दिन रहे और यहीं पर माता ने पाषाण शीला से प्रभु श्रीराम की प्रतिमा तैयार करवाई और नित्य उनकी पूजा करने लगी। घरों में दादा-दादी की रामकथा में यह उल्लेख होता है कि माता की रक्षा और सेवा के लिए हनुमान जी यहां स्त्री रूप में आए। उनकी रक्षा के लिए हनुमान उपस्थित हुए थे, वह पाताल लोक की देवी के रूप में यहां पर आकर माता की देखरेख किया था, इसलिए करीब 6 फीट ऊंची हनुमान की प्रतिमा है।

यहां मौजूद श्रीराम, भगवान विष्णु, हनुमानजी, गरुड़ और शिव जी की पाषाण प्रतिमाएं माता सीता की भक्ति रूप को दर्शाती हैं। बताया जाता है कि छठवीं शताब्दी में यहां बिखरी प्रतिमाओं और शिलालेखों को एकत्र कर व्यवस्थित किया गया। साधु-संत, ऋषि-मुनि और तपस्वियों की जुबानी सुनी सीताराम की कथा यहां के लोगों को रमई पाठ के प्रति धार्मिक और आस्था का केंद्र बनाने में मददगार रही हैं। यहां मौजूद प्रतिमाओं की आयु अभी तक पुराविद भी नहीं बता सके हैं। यहां एक पेड़ की जड़ के पास से निकली जलधारा आज भी अपने अविरल स्वरूप के कारण जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। लोग इसे सीता कुंड की छोटी गंगा कहते हैं।

रमई माता मंदिर मुख्यत: नि:संतान महिलाओं की मनोकामना पूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। इस कारण गादी माई के नाम से भी इस स्थान की पहचान है। संतान प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालुजन यहां लोहे का बना झूला या संकल अर्पित करते हैं।

'नवरात्र के मौके पर विशेष पूजा'

माता के मंदिर के समीप प्राचीन हनुमान जी की प्रतिमा श्याम रंग की शिला पर है उसके आगे भैरव बाबा की प्रतिमा है। रमई पाठ को तपस्या स्थली के रूप में भी पूजा जाता है। यहां पर चैत्र-क्वांर नवरात्रि में माता को प्रसन्न करने के लिए भक्तों के द्वारा मनोकामना ज्योति जलाई जाती है। भंडारे का आयोजन किया जाता है। रमई पाठ पर माता के सम्मान में प्रतिवर्ष मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल होते है।

'कैसे पहुंचे रमई पाठ'

यह मंदिर राजिम से 30 कि.मी की दूरी पर फिंगेश्वर से होते हुए छुरा मार्ग पर सोरिद ग्राम से 1 किमी की दूरी पर स्थित है। यह स्थान महासमुन्द से भी नजदीक है, महासमुन्द से राजिम फिंगेश्वर छुरा मोड़ मार्ग होते हुए माता के दरबार में पहुंचा जा सकता है। अब यह स्थान पर्यटन स्थान के रूप में उभरता नजर आ रहा है।

अंतागढ़ से अनूप नाग ने की बगावत, निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी द्वारा पहली सूची जारी होने के बाद कुछ सीटों पर बगावत देखी जा रही है। कांकेर जिले के अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनंत नाग का टिकट कटने के बाद अब उन्होंने बगावत कर दी है। अनंत नाग ने अंतागढ़ से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। बुधवार को उन्होंने नामांकन फॉर्म भी ले लिया है।

नामांकन फॉम लेने के बाद अनूप नाग ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा है कि जिस ढंग से जनता ने मुझे 18 के चुनाव में आशीर्वाद दिया और जनप्रतिनिधि होने के नाते विकास कार्य कराए और टिकट की उम्मीद थी लेकिन सूची जारी हुई तो दूसरा नाम था। कांग्रेस पार्टी की टिकट की घोषणा के बाद अन्तागढ़ विधानसभा क्षेत्र के जनता आहत है और लगातार फोन कर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप से चुनाव लड़ने का दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

बता दें कि अन्तागढ़ विधानसभा में कांग्रेस ने अनूप नाग का टिकिट काट कर रुपसिंह पोटाई को टिकिट दिया गया है। रुप सिंह पोटाई को टिकिट देने से अनूप नाग के समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही थी। अनूप नाग के समर्थक लगातार क्षेत्र में मीटिंग कर अनूप नाग को निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही थी।

कांकेर की तीनों सीटों से कांग्रेस उम्मीदवारों ने किया नामांकन

इधर कांकेर जिले की तीन विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी मौजूद रहे। अंतागढ विधायक अनूप नाग के निर्दलीय चुनाव लड़ने सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें मना लिया जाएगा, पार्टी से बगावत नहीं करेंगे।

इंदिरा कला संगीत विवि में स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

खैरागढ़। इंदिरा कला संगीत विवि खैरागढ़ में स्थापना दिवस समारोह 14 अक्टूबर 2023 को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति पद्मश्री डॉ. ममता (मोक्षदा) चंद्राकर ने संस्थापक राजा बीरेंद्र बहादुर सिंह, रानी पद्मावती देवी सिंह और राजकुमारी इंदिरा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति ने संस्थापक परिवार का स्मरण करते हुए कहा कि उनके त्याग और दूरदर्शिता के कारण यह विवि आज उपलब्धियों और सफलता के इस मुकाम पर है। उन्होंने सभी से अपील की, कि इस विवि की बेहतरी के लिए जिससे जितना संभव हो, उतना योगदान अवश्य दें। उन्होंने सभी को स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संगीत संकाय के विद्यार्थियों ने कुलगीत की प्रस्तुति दी। जिसमें गायन में राहुल चौहान, अजय यादव, श्रेयस नेमाड़, अवनीश गुप्ता, प्रथा रामटेके, सुप्रिया मंडल और ज्योति साहू ने जबकि सरोद पर रोहन मालवीया, वायलिन पर मानस मयंक, तबले पर नेहरू दास महंत, कीबोर्ड पर लक्ष्मीकांत साहू, बांसुरी पर सौरव पटेल, गिटार पर श्रद्धा बिरनवार और हारमोनियम पर विवेक कुमार ने शानदार संगत किया। यह प्रस्तुति विवेक कुमार के निर्देशन में दी गई। प्रो डॉ. राजन यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर श्रुति मंडल कार्यक्रम के अंतर्गत स्व. राजकुमारी इंदिरा जी को समर्पित प्रस्तुतियां दी गईं। इसके अंतर्गत लोकगाथा पंडवानी की प्रस्तुति हर्ष चंद्राकर ने दी, जिसके संगीत पक्ष में जानेश्वर टांडिया, वेद प्रकाश रावटे, टाहल साहू, सूरज ठाकुर, करण ने संगत किया। इसके बाद जसगीत की प्रस्तुति दी गई, जिसमें प्रीति रात्रे, यामिनी गौतम, शैल कुमारी पटेल, हर्षा साहू, साक्षी, सुमन बेरवंशी, लुभाष पटेल, सुधा, ईशा बघेल ने गायन पक्ष में जबकि संगीत पक्ष में डॉ. बिहारी तारम, डॉ. नत्थू तोड़े, रामचंद्र सर्पे, डॉ. परमानंद पांडे, जानेश्वर टांडिया ने संगत किया।

इस अवसर पर लोक नृत्यों की भी प्रस्तुति दी गई। लोक संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने बैगा, सरहुल और देवार कर्मा नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। इसमें कविता कुंभकार, प्रीति खलखो, पूर्णिमा राना, पूजा देवांगन, लुकेश्वरी मानिकपुरी, सुमन वर्मा, लक्ष्मी सिन्हा, सरिता यादव, प्रज्ञा परगनिहा, वंदना, अमीषा घोष, निशा ठाकुर, झरना, खुशी वर्मा, चंद्रप्रकाश साहू, रोशन रजक, रिंकू वर्मा, जीनु राम, सिद्धार्थ दिवाकर, सुमित राजपूत, डेरहु, सूरज ठाकुर, खोमन राठौर, आदित्य जैन, तारण निषाद ने नृत्य की प्रस्तुति दी, वहीं यामिनी गौतम, हर्षा साहू, हर्ष चंद्राकर और खिलेश ने गायन में संगत किया। कार्यक्रम का संचालन अमीषा घोष ने, श्रद्धा सुमन वाचन नम्रता अलेंद्र ने किया। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव प्रो डॉ. काशीनाथ तिवारी, प्रसिद्ध कला मर्मज्ञ और फिल्म डायरेक्टर प्रेम चंद्राकर, समस्त अधिष्ठातागण और विवि परिवार शामिल हुआ।

तीन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से निपटे 11 लाख 78 हजार से अधिक केस

रायपुर. छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2023 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों के मूल्यांकन एवं निष्पादन हेतु छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट, बिलासपुर में स्टेट लेवल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक रमेश सिन्हा थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष गौतम भादुड़ी, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के न्यायाधीश और हाईकोर्ट लीगल सर्विस कमिटी के चेयरमैन संजय के. अग्रवाल थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के न्यायाधीशगण उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारियों द्वारा किए गए विशेष कार्यों के मूल्यांकन और 2023 में अब तक आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों में प्रदर्शन की सराहना करने के लिए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में पहली बार राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि लोक अदालतों की शुरूआत ने वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणालियों के घटक के रूप में न केवल एक नया अध्याय जोड़ा है, बल्कि देश की न्याय वितरण प्रणाली को एक नया आयाम प्रदान किया है। इससे पीड़ितों को उनके विवादों के संतोषजनक समाधान के लिए एक पूरक मंच मिला है। यह प्रणाली ग्राम स्वराज के गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है और भारत के संविधान के अनुच्छेद 39 ए के प्रावधान को बढ़ावा देने और पूरा करने का प्रयास करती है, जिसका उद्देश्य सभी को समान न्याय और नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा कि प्राचीन काल से ही यह मान्यता रही है कि विवाद को बिना न्यायालय का दरवाजा खटखटाए आपस में ही सुलझा लिया जाए। गाँवों में, विवादों को हमेशा पंचायतों के पास भेजा जाता था, ताकि वे गाँव में उत्पन्न होने वाले विवादों पर निर्णय ले सकें। पंचायत व्यवस्था में पंच-मध्यस्थ और पंचायत शब्द उतना ही पुराना है जितना भारतीय इतिहास। पंचायत (पंच) के सदस्य तब पीड़ित पक्षों को आम सहमति और समझौते पर लाने के लिए बातचीत मध्यस्थता के सिद्धांतों का इस्तेमाल करते थे। इसलिए, यह कहा जा सकता है कि एडीआर की प्रक्रिया भारत में जमीनी स्तर पर भी एक प्राचीन प्रथा के रूप में प्रचलित है। एडीआर का लाभ मुकदमेबाजी में देरी से बचने के अलावा लागत में कमी है।

मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने बताया कि राज्य में तीन राष्ट्रीय लोक अदालतें आयोजित की गई हैं, जिनमें कुल 11,78,357 (ग्यारह लाख अठहत्तर हजार तीन सौ सत्तावन) प्रकरणों का निराकरण किया गया जिनमे से 10 लाख से ज्यादा केस प्री लिटिगेशन के थे। उन्होंने मामलों के निराकरण के लिए किए गए प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि समय के साथ लोक अदालतों ने विवादों को प्रभावी और सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाकर लोगों का विश्वास हासिल किया है। प्रणाली में विश्वास बनाए रखने के लिए, लोक अदालत के प्रत्येक पीठासीन सदस्य के लिए यह अनिवार्य है कि वह न्याय, समानता और निष्पक्षता के सिद्धांतों के आधार पर एक सुलह समझौता लाने में ईमानदार प्रयास करे। विधिक सेवा प्राधिकरणों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोक अदालतों का संचालन करते समय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (लोक अदालत) विनियम, 2009 में निर्धारित नियमों का पालन किया जाए।

श्री सिन्हा ने लोक अदालतों के पीठासीन न्यायाधीशों की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अंतिम मंजिल नहीं है, बल्कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। समर्पित और ईमानदार प्रयास, चाहे वे कितने भी छोटे क्यों न हों, वांछित परिणाम देते हैं। उन्होंने 9 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाले आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अच्छे परिणामों के लिए भी प्रेरित किया।

श्री सिन्हा ने कहा कि न्यायपालिका से अनेक अपेक्षाएँ हैं, फिर भी कुछ प्रमुख क्षेत्र हमारे ध्यान के योग्य हैं। सबसे पहले कानूनी सिद्धांतों की सटीक व्याख्या और अनुप्रयोग सुनिश्चित करने के लिए न्यायाधीशों के लिए कानून के बारे में अपना ज्ञान और समझ बढ़ाना महत्वपूर्ण है। दूसरे, न्यायाधीश को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्यायिक कार्यवाही त्वरित और समयबद्ध तरीके से संचालित हो। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, अनावश्यक स्थगन से बचना और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान अपनाने से प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और न्याय वितरण में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ-साथ उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण बनाए रखना आवश्यक है।

कलेक्टर ने किया मतदान दल प्रशिक्षण स्थल का दौरा

खैरागढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा ने शनिवार को मतदान दल प्रशिक्षण स्थल का दौरा किया। जिले के केंद्रीय विद्यालय और आत्मानंद कन्या खैरागढ़ में चल रहे, पीठासीन और अधिकारी क्र.1 के प्रशिक्षण का आकस्मिक निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डी एस राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने प्रशिक्षण स्थल में निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन बहुत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसके प्रत्येक चरण को संभीरता से करें। आगे कहा कि मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसे सावधानीपूर्वक समझते हुए ग्रहण करें। उन्होंने मास्टर ट्रेनरों से कहा कि वीवीपैट, ईवीएम, कंट्रोल यूनिट का प्रयोग करके दिखाएं। इसके साथ ही मॉक टेस्ट भी करें। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचन के प्रशिक्षण का प्रथम चरण है। उन्होंने मतदान दल में शामिल अधिकारी-कर्मचारी को उनके कार्य व दायित्व के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने कार्य का सफलतापूर्वक संपादन करने के लिए पूरी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने कहा।

जिला कलेक्टर गोपाल वर्मा ने मतदाता दल के प्रशिक्षार्थियों से वीवीपैड मशीन के संबंध में प्रश्न कर प्रशिक्षार्थियों के स्तर की जाँच की एवं मतदान दलों से कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही व कोताही न बरते अन्यथा सीधे कार्रवाई की जाएगी। सभी कार्मिक सजग व मुस्तैद होकर कार्य करें, प्रशिक्षण के दौरान चुनाव आयोग द्वारा मतदान को लेकर जारी की गई विडिओ का प्रोजेक्टर के जरिए मतदान दलों को विभिन्न जानकारियां दी गई इस दौरान जिला निर्वाचनअधिकारी ने मतदान टोलियों से मतदान हेतु सवाल जवाब किये।

प्रशिक्षण बेहतर हो। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण स्थल में पर्याप्त समय देने को कहा है। उन्होंने निर्वाचन कार्य को बेहतर करने के लिए अच्छे से ट्रेनिंग लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा था कि जितनी अच्छी ट्रेनिंग लेंगे तो उतना ही बेहतर और आसान होगा आगामी निर्वाचन कार्य। निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की शंका होने होने पर तत्काल पूछ कर शंकाओं का समाधान करें जिससे मतदान प्रक्रिया के समय समस्या नहीं होगी। अच्छे प्रशिक्षण से निर्वाचन का कार्य बेहतर होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को अच्छे से प्रशिक्षित करने हेतु मास्टर ट्रेनर्स को निर्देश दिए। इन अधिकारियों को ईवीएम, वीवीपैट मशीनों के संचालन, विभिन्न गतिविधियों, बरती जानी वाली सावधानियों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा हैं।

इसके साथ ही मशीनों में टैग लगाने, संचालन करने, चालू.बंद करने, मॉक पोल, वास्तविक मतदान कराने आदि सभी पहलुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही हैं। प्रशिक्षण में ईव्हीएम मशीन के संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही हैं। मास्टर ट्रेनर, मतदान दल क्रमांक 1, 2, 3 को ईव्हीएम मशीन के संचालन प्रक्रिया का डेमो के जरिए संचालित करके दिखाने तथा अधिकारियों को इसे संचालन की प्रैक्टिस करवाया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीएस राजपूत, जिला शिक्षा अधिकारी एफआर कोसरिया, सीएमओ प्रमोद शुक्ला, मास्टर ट्रेनर सुनील शर्मा सहित अन्य अधिकारी, प्रशिक्षक और पीठासीन व अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य निरीक्षक विद्यानंद पटेल का बिलाईगढ़ ट्रांसफर

सारंगढ़। खाद्य निरीक्षक विद्यानंद पटेल के खिलाफ लगातार शिकायत सामने आ रहे थे विगत माह उनके ऊपर एक महिला दुकान संचालक ने अवैध उगाही की शिकायत की गई थी, जिसकी जाँच अभी तक चल रही है। इससे पूर्व एक सत्ताधारी दल के नेता के साथ बदतमीजी का कॉल रिकार्डिंग खूब वायरल हुआ था, जहां पर खाद्य निरीक्षक हाथ-पैर पकड़ कर मामला को शांत करा लिया था।

गौरतलब हो की खाद्य निरीक्षक पटेल के व्यवहार से सारंगढ़ के राइस मिलर भी बहुत दुखी थे साथ ही साथ पीडीएस दुकान संचालक भी इस कर्मचारी से काफी परेशान थे। लम्बे अंतराल तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने के कारण इस कर्मचारी का आतंक आसमान पर था।

श्री पटेल के द्वारा राशन दुकान संचालकों के दुर्व्यवहार का शिकायत कई बार सामने आया था जिसमें पटेल के द्वारा संचालकों को अपने नौकर जैसे ट्रिट करते थे जिसको लेकर क्षेत्र में काफी रोष व्याप्त रहा था।

ट्रांसफर रोकवाने लाखों का प्रस्ताव

खाद्य निरीक्षक विद्यानंद पटेल अपने धौंस जमाने के चक्कर में ट्रांसफर रुकवाने के लिए कई स्थानीय नेताओ से सम्पर्क कर लाखों का पेकेज ओफर किया है। सूत्र के अनुसार अगर नेताओं से बात नहीं बना तो बड़े अधिकारी को भी मोटा माल देकर ट्रांसफर रुकवा लेने का कहा जा रहा है।

बहरहाल खाद्य निरीक्षक पटेल का बिलाईगढ़ ट्रांसफर होने से सारंगढ़ में खुशी का लहर है, छोटे व्यापारी से लेकर राइस मिलर तक एवं दुकान संचालक भी संतुष्ट है।

कलेक्टर ने देशी-विदेशी मदिरा दुकान का किया निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिप्रेक्ष्य में राज्य के समस्त आसवनी/बॉटलिंग यूनिट, ब्रुअरी, देशी मदिरा भंडारगार, एवं विदेशी मदिरा गोदामों के साथ-साथ देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों की नियमित रूप से जांच एवं मॉनिटरिंग किए जाने का निर्देश निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया है।

उक्त निर्देश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह द्वारा सारंगढ़ एवं रेड़ा स्थित देशी एवं विदेशी मदिरा दुकान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मदिरा दुकान में बॉटलिंग, देशी और अंग्रेजी शराब की खपत के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीवी के बारे में पूछा जिस पर उपस्थित सुपरवाइजर एवं स्टाफ ने अद्यतन जानकारी दी।

मदिरा की आमद एवं विक्रय स्कैनर द्वारा स्कैन करके होना पाया गया, साथ ही मदिरा दुकान में संग्रहित मदिरा की पेटियों में से कुछ मदिरा की बोतलों का दुकान के स्कैनर से स्कैन करवाने पर स्कैन होना पाया गया एवं सीसीटीवी कैमरा सुचारू रूप से संचालित होना पाया गया। साथ ही समस्त पंजीयन अद्यतन पाई गई एवं मदिरा का विक्रय नगद होना पाया गया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने साफ सफाई बनाए रखने एवं दीवारों में पेंट करवाने को कहा, साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि लाइटिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें साथ ही मंदिर दुकान का संचालन लाइसेंस शर्तो के अनुसार निर्धारित समय तक ही करें। किसी भी व्यक्ति को निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा में मदिरा का विक्रय ना करें एवं समस्त अभिलेख प्रतिदिन अध्ययन रूप से संधारित करें। एवं प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु टोल फ्री नंबर 14405 में तत्काल अवगत कराएं। उक्त निरीक्षण के दौरान रायगढ़ जिले के सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलिमा दिप्रस्कर एवं वित्त आबकारी उप निरीक्षक विकास पाल सांडे उपस्थित थे।

बेकरी यूनिट लघु उद्योग के रूप में हो रहा विकसित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दूरगामी परिणाम को मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लघु उद्योग की स्थापना के लिए शुरू की किया गया।

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) का परिकल्पना धरातल पर साकार हो रहा है। सारंगढ़ विकासखंड के छिंद रीपा में दिशा आदर्श स्वसहायता समूह ने बेकरी यूनिट का प्रारंभ अप्रैल 2023 में प्रारंभिक तौर पर शुरू किया है। आधुनिक बेकरी मशीन मई 2023 में प्राप्त होने और स्थापना के बाद से निरंतर बेकरी उत्पादन हो रहा है। इसमें कई प्रकार के बिस्किट, केक, ब्रेड आदि शामिल हैं। दिशा आदर्श स्वसहायता समूह की अध्यक्ष चन्द्रकला रात्रे ने बताया कि इस

रीपा यूनिट से 7 लोगों को रोजगार मिला है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 15 लाख का बेकरी यूनिट मशीन और का कच्चा उत्पाद खरीदी के लिए एक लाख रूपए मिला है। शासन द्वारा दी गई इस राशि का भुगतान समूह को 10 साल में किश्तों में करना है। समूह ने बेकरी के लिए सांचा की खरीदी डेढ़ लाख में की है और आवश्यक पॉलीथीन की खरीदी 75 हजार में की है। उन्होंने बताया कि छिंद के आसपास के गांव सहित दूरदराज क्षेत्रों के व्यापारीगण इस बेकरी यूनिट का उत्पाद खरीद रहे हैं और सारंगढ़ के सारबिला सी-मार्ट में भी उत्पादन को बिक्री के लिए भेजा जाता है।

महिला मतदाताओं ने दीप जलाकर शत-प्रतिशत मतदान का दिया संदेश

सारंगढ़-बिलाईगढ़। लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा आगामी विधानसभा में शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दीकी के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार को संध्या में सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में अधिकारियों कर्मचारियों संग 1000 महिला मतदाताओं द्वारा दीपोत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह, डीएफओ गणेश यूआर, अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, एसडीएम मोनिका वर्मा एवं डॉ. स्निग्धा तिवारी, सीईओ संजू पटेल समेत विधानसभा 17 और 43 के रिटर्निंग आफिसर शामिल हुए।

स्वीप दीपोत्सव के इस कार्यक्रम में सारंगढ़ बिलाईगढ़, सब्बो जाबो वोट देहे बर का नारा लगाते हुए शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों एवं महिला मतदाताओं ने निष्पक्ष मतदान करने का संकल्प भी लिया।

ज्ञात हो कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दीकी के मार्गदर्शन तथा स्वीप के नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान के नेतृत्व में स्वीप अंतर्गत जिले में अनेक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी, महिला समूह, अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एमसीएमसी कक्ष का किया अवलोकन

कवधा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने कल विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए गठित जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने वहां इलेक्ट्रानिक मीडिया इकाई, प्रिंट मीडिया इकाई, सोशल मीडिया इकाई का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन महत्वपूर्ण कार्य है। एमसीएमसी के माध्यम से सोसल मीडिया में विशेष निगरानी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है वे उपस्थित रहेंगे तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। एमसीएमसी समिति में इलेक्ट्रानिक मीडिया इकाई, प्रिंट मीडिया इकाई, सोशल मीडिया इकाई के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई है।

सभी टीम में अधिकारियों की और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जो 24 घंटे निगरानी रखेगी। अवलोकन के दौरान जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतुराज बिसेन सहित कलेक्टोरेट के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पाकुरभाट में स्ट्रांग रूम बना तो पांच साल बाद झलमला तक सड़क हो गई रौशन

बालोद. नवंबर से होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग भी तैयारी में जुट गया है। पाकुरभाट में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। इस मार्ग को बीते पांच साल बाद फिर से रौशन किया गया है। चुनाव का समय आया तो झलमला से पाकुरभाट तक लगी स्ट्रीट लाइट की भी सुध लगभग पांच साल बाद प्रशासन ने ली है। 2018 चुनाव से पहले इस स्ट्रीट लाइट को लगाया था। लगभग 50 से अधिक लाइट चुनाव तक ही जल पाई और इसके बाद बंद हो गई थी।

पांच साल में लाइट की नहीं ली सुध

पांच साल तक सुध नहीं ली। अब फिर चुनाव का समय आया है तो स्ट्रांग रूम तक किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना निर्वाचन टीम को न हो, इसलिए स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की गई। अब मरम्मत के बाद स्ट्रीट लाइट पुनः जलने लगी है। स्ट्रीट लाईट लगाने में ही लाखों खर्च किया गया था।

21 से नामांकन कलेक्ट्रेट में चल रही तैयारी

जिले में आगामी 21 अक्टूबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही निर्वाचन आयोग अपनी तैयारी पूरी करने में लगा हुआ है। इसके लिए आयोग ने तीनों विधानसभा के उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग विधानसभावार अलग-अलग कक्ष बनाए है। जहां उम्मीदवार नामांकन फॉर्म खरीदेंगे व जमा करेंगे।

नियम का पालन कराने पुलिस टीम रहेगी तैनात

नामांकन प्रक्रिया के दौरान भीड़ रहेगी, जिसे देखते हुए निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन कराने तीनों विधानसभा के लिए बनाए कक्ष के पहले ही पुलिस सुरक्षा रहेगी। निर्धारित संख्या से अधिक को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जलाशयों से छोड़े गए पानी से संभली धान की फसल, अब पकने की स्थिति में

बालोद. धान की फसल अब पकने की स्थिति में है। इस बार धान की फसल को संभालने में जिले के सभी जलाशयों ने अपनी अहम भूमिका निभाई है। अभी भी तांदुला जलाशय से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा गया है।

सिंचाई विभाग के मुताबिक नवरात्रि व इस माह के अंत तक पानी छोड़ा जाएगा। उच्च अधिकारी के आदेशानुसार इसे और बढ़ाया जा सकता है। तांदुला जलाशय से दूसरी बार 27 सितंबर को पानी छोड़ना शुरू किया गया, जो अभी तक जारी है। इन 20 दिनों में तांदुला का जल स्तर 6 फीट कम हो गया है। बालोद, दुर्ग व बेमेतरा जिला की लगभग 26 हजार हेक्टेयर में धान की फसल की सिंचाई हो रही है।

बारिश कम होने पर स्थिति हो गई थी खराब

इस साल मानसून सीजन में बारिश सामन्य हुई है, लेकिन बालोद जिले के अलावा पड़ोसी जिले के कई क्षेत्रों में पानी की कमी थी। इस वजह से धान की सिंचाई नहीं हो पा रही थी। फसल सूखने की स्थिति में थे। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में भी सिंचाई की समस्या थी। जुलाई एवं अगस्त में धान की फसलों के सिंचाई के लिए पानी छोड़ा गया। मुरझाई फसल में जान आई। अब फसल पकने की स्थिति में है।

27.30 फीट भरा है तांदुला में पानी

सिंचाई विभाग के मुताबिक तांदुला जलाशय में वर्तमान में 27.30 फीट पानी भरा हुआ है। 27 सितंबर को तांदुला में 33 फीट पानी भरा था। अभी कुछ दिन और पानी छोड़ा जाएगा।

कई किसान धान की फसल काटने में जुटे

जिले में अर्ली वेरायटी का धान पक कर तैयार है। अब किसान कटाई में जुट गए हैं। उम्मीद है कि नवरात्रि के बाद फसल कटाई जोर पकड़ेगी। एक नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी।

गोंदली जलाशय में 10 फीट कम हो गया पानी

गोंदली जलाशय से भी सिंचाई के लिए पानी छोड़ा गया है। इस मानसून सीजन में जिले के चार प्रमुख जलाशय में तीन जलाशय छलके थे। सिर्फ तांदुला जलाशय नहीं छलका था। गोंदली जलाशय से जब पानी छोड़ा गया था, तब 100 प्रतिशत यानी 34 फीट पानी भरा था। 17 अक्टूबर की स्थिति में 24 फीट पानी भरा है।

आदिवासी बालक आश्रम के हेड मास्टर एक माह से नहीं आ रहे स्कूल, आने पर सोते हैं

बालोद/गुरुर. विकासखंड के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम पंचायत बड़भूम में संचालित आदिवासी बालक आश्रम दो शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। ग्रामीणों ने शिकायत की है कि यहां के हेडमास्टर गोवर्धन नागवंशी एक माह से स्कूल नहीं आ रहे हैं। एक अधीक्षक एवं दो शिक्षक पदस्थ हैं। आरोप है कि गोवर्धन नागवंशी स्कूल आने के बाद भी बच्चों को पढ़ाने के बजाय सो जाते हैं। स्थिति को देखते हुए अधीक्षक अब बच्चों को पढ़ाई के लिए लगातार प्रेरित कर रहे हैं। इस आश्रम में बस्तर क्षेत्र के कोडेकुरसे, मनहाकाल, कनेचुर (अंतागढ़), करेसडीह (गरियाबंद), कुरस्तीपुर कांकेर, कोरोंडी कोयलीबेड़ा, मेट्टाबादोली, अमोडी, सुरेवाही, खुंटगांव अंतागढ़, भानुप्रतापपुर क्षेत्र के बच्चे पहली से पांचवीं तक पढ़ने आते हैं।

बच्चों ने भी बताया-हेड मास्टर सो जाते हैं

शिकायत के बाद 15 दिन पूर्व सहायक एबीओ डोमन भुआर्य जांच करने आए थे। जिसमें बच्चों ने बताया था कि गोवर्धन नागवंशी पढ़ाई नहीं कराते बल्कि सो जाते हैं। सीएससीएम के. राजपूत ने बताया कि आचार संहिता के पहले से मेडिकल में अनफिट में है। फिट होने के बाद ज्वाइन करेंगे।

बालक आश्रम को मिल चुका पुरस्कार

शाला प्रबंधन समिति के लोगों ने बताया कि आश्रम के रहन-सहन, खानपान, पढ़ाई एवं स्वच्छता के प्रति आदिवासी बालक आश्रम को बालोद जिला में उत्कृष्ट कार्य करने शासन ने पुरस्कृत किया है। बावजूद शिक्षकों की लापरवाही के कारण संस्था को बदनाम कर रहे है। गोवर्धन नागवंशी को हटा कर दूसरे शिक्षक को पदस्थ करने की मांग कर रहे हैं। आदिवासी आश्रम में दो चपरासी नियमित हैं। एक चपरासी लगातार अनुपस्थित है, जिसके कारण साफ-सफाई में भी दिक्कत हो रही है। सुबह-शाम केवल एक चपरासी के माध्यम से भोजन तैयार किया जा रहा है। यहां चपरासी की आवश्यकता है। बच्चों का भोजन बनाने, परोसने, साफ-सफाई के लिए केवल एक चपरासी पर लोड पड़ने लगा है।

मुझे भी समय-समय पर पढ़ाना पड़ता है

आश्रम अधीक्षक ज्ञानेंद्र सुधाकर ने बताया कि शिक्षक गोवर्धन नागवंशी के शाला नहीं आने से ज्यादा परेशानी हो रही है। यहां केवल एक शिक्षक पांच कक्षा को कैसे पढ़ा सकते हैं। इसलिए मुझे भी समय समय में अध्यापन कराना पड़ता है।

37वें राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़िया भागीदारी फेल, खिलाड़ियों को न मिला आने-जाने का खर्च, न ही लगा कैंप

- **25 अक्टूबर से नौ नवंबर तक गोवा में आयोजित है 37वां नेशनल गेम्स**
- **न मिला आने-जाने का खर्च, न ही 21 दिन का लगा कैंप**

रायपुर। 37वें नेशनल गेम्स 25 अक्टूबर से नौ नवंबर तक गोवा में आयोजित है। राष्टीय खेल में छत्तीसगढ़िया खिलाड़ियों की तैयारी पूरी तरह फेल है। आयोजन को एक सप्ताह शेष हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में नेशनल गेम्स की तैयारी अब तक अधूरी है।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन (सीओए) ने खेल विभाग को 57 लाख रुपये का बजट देने कुछ दिनों पहले ही पत्र भेजा है, पैसे अब तक नहीं मिले हैं। इसमें खिलाड़ियों की किट, प्रशिक्षण शिविर, यात्रा भत्ता और ब्लेजर समेत समारोह ड्रेस का खर्च शामिल है। बजट की मंजूरी नहीं मिलने से कई खेल संघ खिलाड़ियों की तैयारी के लिए 21 दिन का प्रशिक्षण शिविर तक नहीं लगा पाए। ऐसे में बिना प्रशिक्षण और आधी-अधूरी तैयारी के साथ 37वें नेशनल गेम्स में उतरना पड़ेगा। आधी-अधूरी तैयार के बीच पदक की उम्मीद भी कम ही की जा रही है।

25 खेलों के लिए क्वालीफाइ

- गोवा नेशनल गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ का 235 सदस्यीय दल हिस्सा लेगी। इसमें 25 खेलों के 174 महिला-पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। तैराकी-10, तीरंदाजी-13, बैडमिंटन-2, एथलेटिक्स-3, बास्केटबाल-5, बिलिर्ड्स एंड स्नूकर-3, बाक्सिंग-4, साइकिलिंग-2, फेंसिंग-12, गतका-13, मलखंभ-15, मिनी गोल्फ-27, बीच हैंडबाल-14, जूडो-6, कालीरियट्टू-22, जूडो-06, केयाकिंग-केनोइंग-03, माडर्न पेंटाथालान-17, पेकाक सिलेट-3, रोलबाल-15, स्क्वैश-6, ट्राइथलान-7, वेटलिफ्टिंग-3, कुश्ती-14, वुशू-5, मारिटस आर्ट-2।

पिछले वर्ष ऐसा रहा प्रदर्शन

36वां नेशनल गेम्स गुजरात में आयोजित किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक, पांच रजत पदक और छह कांस्य पदक जीते थे। कुल 12 खेलों के 13 पदक हाथ लगे थे। वहीं 35वां नेशनल गेम केरल में हुआ था। इसमें कुल 10 पदक छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने जीते थे। दो स्वर्ण पदक, चार रजत और चार कांस्य पदक जीते थे।

पांच साल से नहीं हुआ अलंकरण

अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों का पांच वर्ष से खेल अलंकरण समारोह नहीं हुआ है। सम्मान समारोह को लेकर खिलाड़ियों ने पांच बार आंदोलन किया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग सचिव नीलम नामदेव एक्का ने कहा, अब तक विभाग से सूची नहीं आई है। खिलाड़ियों के नाम की सूची आने के बाद बजट पर प्रशासनिक मंजूरी के लिए मंत्रालय भेजा जाएगा। मंजूरी मिलते ही नेशनल गेम्स के लिए बजट सीओए को दे दिया जाएगा।

16 शक्तियों के साथ शिवरीनारायण में सतयुग से विराजित हैं मां अन्नपूर्णा

प्राचीन काल से ही दक्षिण कौशल के नाम से विख्यात शिवरीनारायण में मां अन्नपूर्णा का मंदिर है।जहां नवरात्रि में हजारों की संख्या में भक्त मनोकामनाएं लेकर पहुंच रहे हैं।आस्था के इस दरबार में सभी को मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद मिल रहा है।महानदी के तट पर पूर्वाभिमुख लक्ष्मीनारायण का अति प्राचीन मंदिर है।इसी मंदिर परिसर में मां अन्नपूर्णा का भव्य मंदिर है।जिसके गर्भगृह में दक्षिणाभिमुख सौम्य मूर्ति है।मंदिर परिसर में समस्त सोलह शक्तियां मेदनीय,भद्रा,गंगा,बहुरूपा,तितिक्षा,माया, हेतिरक्षा, अर्पदा, रिपुहंत्री, नंदा, त्रिनेती, स्वामी सिद्ध और हासिनी मां अन्नपूर्णा के साथ विराजित हैं।

ज्योतिषाचार्य और मंदिर के सर्वाकार पंडित विश्वेश्वर नारायण द्विवेदी के संरक्षण में यहां सर्वसिद्ध मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित की जाती है।

नवरात्रि पर्व के दौरान मां अन्नपूर्णा प्रत्येक दिन अलग अलग रूपों में सुशोभित होती हैं।पहले दिन मां अन्नपूर्णा महागौरी, दूसरे दिन ज्येष्ठा गौरी,तीसरे दिन सौभाग्य गौरी, चौथे दिन श्रृंगार गौरी,पांचवे दिन विशालाक्षी गौरी,छठे दिन ललिता गौरी,सातवें दिन भवानी और आठवें दिन मंगलागौरी के रूप में विराजित होती हैं।

छत्तीसगढ़ के विख्यात पुरातत्व विश्लेषक प्रो.अश्विनी केशरवानी के मुताबिक मां भवानी भक्तों की भावना के मुताबिक कई रुप धारण करती है।

जिनमें दुर्गा, महाकाली, राधा, ललिता, त्रिपुरा, महालक्ष्मी, महा सरस्वती के साथ अन्नपूर्णा का एक रुप है।वे बताते हैं कि त्रेतायुग में श्रीरामचंद्रजी जब लंका पर चढ़ाई करने जाने लगे तब उन्होंने मां अन्नपूर्णा की आराधना करके अपनी बानर सेना की भूख को शांत करने की प्रार्थना की थी। तब मां अन्नपूर्णा ने सबकी भूख को शांत ही नहीं किया बल्कि उन्हें लंका विजय का आशीर्वाद भी दिया।

इसी प्रकार द्वापरयुग में पांडवों ने कौरवों से युद्ध शुरू करने के पूर्व मां अन्नपूर्णा से सबकी भूख शांत करने और अपनी विजय का वरदान मांगा था।मां अन्नपूर्णा ने उनकी मनोकामना पूरी करते हुए उन्हें विजय का आशीर्वाद दिया था।सृष्टि के आरंभ में जब पृथ्वी का निचला भाग जलमग्न था तब हिमालय क्षेत्र में भगवान नारायण बद्रीनारायण के रूप में विराजमान थे।कालांतर में जल स्तर कम होने और हिमालय क्षेत्र बर्फ से ढक जाने के कारण भगवान नारायण सिंदूरगिरि क्षेत्र के शबरीनारायण में विराजमान हुए।यहां उनका गुप्त वास होने के कारण शबरीनारायण गुप्त तीर्थ के रूप में जगत् विख्यात् हुआ।कदाचित इसी कारण देवी-देवता और ऋषि-मुनि आदि तपस्या करने और सिद्धि प्राप्त करने के लिए इस क्षेत्र में आते थे।उनकी क्षुधा को शांत करने के लिए मां अन्नपूर्णा यहां सतयुग से विराजित हैं।

शिवरीनारायण में और क्या देखें

टेंपल सिटी शिवरीनारायण में मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के अलावा कई और विख्यात,ऐतिहासिक महत्व के मंदिर हैं। महानदी,शिवनाथ और जोंक नदी के त्रिधारा संगम तट पर बसे शिवरीनारायण में प्रभु श्री राम ने माता शबरी के जूठे बेर खाकर अपने प्रेम से कई संदेश दिए।यहां प्रदेश का इकलौता शबरी मंदिर है। प्राचीन स्थापत्य कला एवं मूर्तिकला के बेजोड़ नमूने वाले बड़ा मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण राजा शबर ने करवाया था।नर नारायण मंदिर की परिधि 136 फीट तथा ऊंचाई 72 फीट है जिसके ऊपर 10 फीट का स्वर्णिम कलश है।मंदिर के चारों ओर पत्थरों पर नक्काशी कर लता वल्लरियों व पुष्पों से सजाया गया है। शिवरीनारायण मंदिर में वैष्णव समुदाय द्वारा वैष्णव शैली की अदभुत कलाकृतियां हैं।शिवरीनारायण में 9 वीं शताब्दी से लेकर 12 वीं शताब्दी तक की प्राचीन मूर्तियां स्थापित है। शिवरीनारायण में बड़े मंदिर के अलावा चंद्रचूड़ और महेश्वर महादेव,केशवनारायण,श्रीराम लक्ष्मण जानकी, जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा,राधाकृष्ण,काली और मां गायत्री का भव्य और आकर्षक मंदिर है।

ऐसे पहुंचे शिवरीनारायण

हवाई मार्ग से शिवरीनारायण पहुंचने के लिए पहले आपको राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचना होगा। यहां से शिवरीनारायण की सड़क मार्ग की दूरी 130 किलोमीटर है।वहीं बिलासा एयरपोर्ट बिलासपुर पहुंचने के बाद वहां से शिवरीनारायण तक सड़क मार्ग की दूरी 64 किलोमीटर है।नजदीकी रेलवे स्टेशन हावड़ा-मुंबई रुट पर चांपा स्टेशन है।जहां से शिवरीनारायण की सड़क मार्ग की दूरी 49 किलोमीटर है।सड़क मार्ग से शिवरीनारायण सीधे दो नेशनल हाइवे से जुड़ा है,जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

प्रमुख जगहों से दूरी-

राजधानी रायपुर से 140 किलोमीटर

जिला जांजगीर से 50 किलोमीटर

कोरबा से 110 किलोमीटर

रायगढ़ से 110 किलोमीटर

बलौदाबाजार से 52 किलोमीटर

एक बार फिर भाजपा की सरकार बना दो पूरे छत्तीसगढ़ को हम नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे: अमित शाह

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी छत्तीसगढ़ में सत्ता में आई तो पूरे राज्य को नक्सली समस्या से मुक्त कर दिया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के तहत नक्सल प्रभावित जिलों में 62 प्रतिशत की कमी आई है. 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कांग्रेस शासित राज्य में शाह की यह दूसरी यात्रा है. जबकि 20 दिनों के भीतर उनका यह तीसरा प्रदेश दौरा है.

जगदलपुर के लालबाग में जनता को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, एक बार फिर कमल फूल की सरकार बना दो पूरे छत्तीसगढ़ को हम नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे. नामांकन रैली में जगदलपुर पहुंचे शाह ने कहा, मोदी जी के 9 साल में हिंसक घटनाओं में 52 प्रतिशत की कमी आई, मौतों में 70 प्रतिशत की कमी आई,नागरिकों की मृत्यु में 68 प्रतिशत की कमी आई और नक्सल प्रभावित जिलों में 62 प्रतिशत की कमी आई.

'छत्तीसगढ़ में तीन दिवाली मनानी है'

शाह ने कहा कि हमें छत्तीसगढ़ में तीन दिवाली मनानी है, पहली त्यौहार वाली, दूसरी दिवाली 3 दिसंबर को जब सरकार कमल की बनेगी तब और तीसरी दिवाली जब अयोध्या में जनवरी में प्रभु श्रीराम का मंदिर होगा तब प्रभु के ननिहाल में दिवाली मनेगी.

'आदिवासियों के लिए मोदी ने किए ढेर सारे काम'

आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग में जनता को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, मोदी जी ने पूरे देश भर के ट्राईबलों के सम्मान के लिये, आदिवासियों के सम्मान के लिये ढेर सारे काम किए. जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ आदिवासी भाईयों-बहनों को सुरक्षा, सम्मान और समावेशी विकास देने का काम मोदी सरकार ने किया है.

कांग्रेस पर लगाया आरोप

गृहमंत्री ने बताया कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब उन्होंने आदिवासियों के लिए मात्र 29 हजार करोड़ दिया और देशभर के करोड़ों आदिवासियों के कल्याण के लिए मोदी जी ने 1 लाख 32 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का काम किया है.

बस्तर में क्या है पार्टी की रणनीति?

भाजपा के इस चुनावी अभियान का फोकस पहले चरण के चुनाव पर है. पहले चरण में 20 विधानसभा क्षेत्रों ड्ड कोंटा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, चित्रकोट, जगदलपुर, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, केशकाल, कांकेर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, मोहला-मानपुर, खुज्जी, डोंगरगांव, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ में मतदान होगा। खैरागढ़, कवर्धा और पंडरिया में वोट डाले जाएंगे. बाकी 70 सीटें दूसरे चरण में कवर की जाएंगी. इनमें 12 सीटें बस्तर संभाग में आती है. बस्तर को छत्तीसगढ़ की सत्ता की चाबी माना जाता है. फिलहाल यहां की 12 में से 12 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है. लिहाजा भाजपा को अपने उम्मीदवार उतारने के लिए यहां काफी मंथन करना पड़ा था. यहां 12 में से 8 पर नए चेहरों कौ मौका दिया गया है, जबकि 4 सीटों पर हारे हुए प्रत्याशियों को उतारा गया है.

इनमें चार पूर्व मंत्री केदार कश्यप, लता उसेंडी और महेश गागड़ा और विक्रम उसेंडी को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है.जबकि केशकाल विधानसभा से पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को भाजपा ने टिकट दिया है. वहीं पार्टी ने कोंटा से सोयम मुका, दंतेवाड़ा से चैतराम अटामी, चित्रकोट से विनायक गोयल, जगदलपुर से किरणदेव, भानुप्रतापपुर से गौतम उइके, कांकेर से आशाराम नेताम को चुनावी मैदान में उतारा है.

छत्तीसगढ़ में बीजेपी के 86, कांग्रेस के 83 उम्मीदवार घोषित; 77 सीटों पर इन प्रत्याशियों के बीच होगी टक्कर

रायपुर। कांग्रेस ने बुधवार को छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए 53 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की. इसी के साथ कांग्रेस की ओर से घोषित उम्मीदवारों की कुल संख्या 83 हो गई. वहीं भाजपा अब तक 86 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है. प्रदेश में 90 विधानसभा सीटें हैं. इस ऐलान के बाद 77 सीटों पर किसके किसके बीच मुकाबला है यह साफ हो गया है.

कांग्रेस की पहली सूची में 30 उम्मीदवारों का नाम था. दूसरी लिस्ट में 53 प्रत्याशियों की सूची जारी हुई है. भाजपा ने अब तक तीन सूची जारी की है. पहली सूची में 21, दूसरी में 64 और तीसरी सूची में 1 उम्मीदवार का नाम शामिल था. इस तरह भाजपा ने कुल 86 प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं.

सीट	भाजपा उम्मीदवार	कांग्रेस उम्मीदवार
भरतपुर-सोनहत	रेणुका सिंह	गुलाब सिंह कमरो
मनेंद्रगढ़	श्याम बिहारी जायसवाल	रमेश सिंह
रामानुजगंज	रामविचार नेताम(पूर्व मंत्री)	अजय तिर्की
जशपुर	रायमुनि भगत	विनय कुमार भगत
कुनकुरी	विष्णुदेव साय	यूडी मिंज
पत्थलगांव	गोमती साय	रामपुकार सिंह
लुंड्रा	प्रबोध मिंज	प्रीतम राम
प्रेमनगर	भूलन सिंह मरावी	खेलसाय सिंह
भटगांव	लक्ष्मी राजवाड़े	पारसनाथ राजवाड़े
प्रतापपुर	शकुंतला सिंह पोर्ते	राजकुमारी मरावी
लैलूंगा	सुनीती सत्यानंद राठिया	विद्यावती सिदार
रायगढ़	ओ पी चौधरी	प्रकाश नायक
धरमजयगढ़	हरिश्चंद्र राठिया	लालजीत राठिया
सारंगढ़	शिवकुमारी चौहान	उत्तरी जांगड़े
रामपुर	ननकीराम कंवर	फूल सिंह राठिया
पाली-तानाखार	रामदयाल उईके	तुलेश्वरी सिदार
कोटा	प्रबल प्रताप सिंह जूदेव	अटल श्रीवास्तव
लोरमी	अरुण साव	थानेश्वर साहू
मुंगेली	पुन्नूलाल मोहले	संजीव बनर्जी
मरवाही	प्रणव कुमार मरपच्ची	केके ध्रुव
तखतपुर	धर्मजीत सिंह	रश्मि सिंह
बिल्हा	धरमलाल कौशिक	सियाराम कौशिक
बिलासपुर	अमर अग्रवाल	शैलश पांडेय
मस्तूरी	कृष्णमूर्ति बांधी	दिलीप लहरिया
अकलतरा	सौरभ सिंह	राघवेंद्र सिंह
जांजगीर-चांपा	नारायण चंदेल (विधायक)	व्यास कश्यप
चंद्रपुर	संयोगिता सिंह जूदेव	रामकुमार यादव
जैजैपुर	कृष्णकांत चंद्र	बालेश्वर साहू
पामगढ़	संतोष लहरे	शेषराज हरबंस
बसना	संपत अग्रवाल	देवेंद्र बहादुर सिंह
खल्लारी	अलका चंद्राकर	द्वारिकाधीश यादव
बिलाईगढ़	दिनेश लाल जांगड़े	कविता प्राण लहरे
बलौदाबाजार	टंकराम वर्मा	शैलेश नितिन त्रिवेदी
भाटापारा	शिवरतन शर्मा	इंदर कुमार साव
धरसींवा	अनुज शर्मा	छाया वर्मा
रायपुर ग्रामीण	मोतीलाल साहू	पंकज शर्मा
रायपुर पश्चिम	राजेश मूणत	विकास उपाध्याय
रायपुर दक्षिण	बृजमोहन अग्रवाल	महंत राम सुंदर दास
अभनपुर	इन्द्रकुमार साहू	धनेंद्र साहू
बिंद्रानवागढ़	गोवर्धन राम मांझी	जनकलाल ध्रुव
राजिम	रोहित साहू	अमितेश शुक्ला
कुरुद	अजय चंद्राकर	तारिणी चंद्राकर
संजारी-बालोद	राकेश यादव	संगीता सिन्हा
गुंडरदेही	वीरेंद्र कुमार साहू	कुंवर सिंह निषाद
दुर्ग शहर	गजेंद्र यादव	अरुण वोरा
भिलाई नगर	प्रेमप्रकाश पांडेय	देवेंद्र यादव
वैशाली नगर	रिकेश सेन	मुकेश चंद्राकर
अहिवारा	डोमन लाल कोरसेवाड़ा	निर्मल कोसरे
जगदलपुर	किरणदेव सिंह	जितिन जायसवाल
सीतापुर	रामकुमार टोप्पो	अमरजीत भगत
खरसिया	महेश साहू	उमेश पटेल
कोरबा	लखनलाल देवांगन	जयसिंह अग्रवाल
सक्ती	खिलावन साहू	डॉ चरणदास महंत
आरंग	गुरु खुशवंत सिंह	डॉ शिव कुमार डहरिया
डौंडी लोहारा	देवलाल हलवा ठाकुर	अनिला भेंडिया
पाटन	विजय बघेल	भूपेश कुमार बघेल
दुर्ग ग्रामीण	ललित चंद्राकर	ताम्रध्वज साहू
साजा	ईश्वर साहू	रविंद्र चौबे
नवागढ़	दयालदास बघेल	गुरु रुद्र कुमार
कवर्धा	विजय शर्मा	मोहम्मद अकबर
खैरागढ़	विक्रांत सिंह	यशोदा वर्मा
डोंगरगढ़	विनोद खांडेकर	हर्षिता स्वामी बघेल
राजनांदगांव	डॉ रमन सिंह	गिरीश देवांगन
डोंगरगांव	भरतलाल वर्मा	दलेश्वर साहू
खुज्जी	गीता घासी साहू	भोलाराम साहू
मोहला-मानपुर	संजीव साहा	इंद्रशाह मंडावी
अंतागढ़	विक्रम उसेंडी	रूप सिंह पोटाई
भानुप्रतापपुर	गौतम उईके	सावित्री मंडावी
कांकेर	आशाराम नेताम	शंकर ध्रुव
केशकाल	नीलकंठ टेकाम	संतराम नेताम
कोंडागांव	लता उसेंडी	मोहन मरकाम
नारायणपुर	केदार कश्यप	चंदन कश्यप
बस्तर	मनीराम कश्यप	लखेश्वर बघेल
चित्रकोट	विनायक गोयल	दीपक बैज
दंतेवाड़ा	चेतराम अरामी	छबिंद्र कर्मा
बीजापुर	महेश गागड़ा	विक्रम मंडावी
कोंटा	सोयम मुका	कवासी लखमा
पंडरिया	भावना बोहरा	नीलकंठ चंद्रवंशी

कांग्रेस के लिए 'नाग' बन गए चुनौती, कैसे मनाएंगे सीएम बघेल?

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से 30 सीटों पर उम्मीदवारों के ऐलान करे बाद कई सीटों पर नाराजगी और अंसतोष की खबरें आ रही हैं. वहीं अंतागढ़ विधानसभा से टिकट काटे जाने से रूष्ट हुए अनूप नाग ने बुधवार को नामांकन फॉर्म खरीदकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का भी एलान कर दिया है. हालांकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया है कि वे नाग को मना लेंगे.

अंतागढ़ विधानसभा में कांग्रेस ने अनूप नाग का टिकट काट कर रूपसिंह पोटाई को अपना उम्मीदवार बनाया है. रूप सिंह पोटाई को टिकट देने से अनूप नाग के समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही थी. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनूप नाग का कहना है कि वह अपने क्षेत्र की जनता की मांग पर निर्दलीय चुनाव लड़ने जा रहे हैं. लिजाहा नाग अपने समर्थको के साथ नामांकन फार्म लेने पहुंचे.

हालांकि कांग्रेस प्रत्याशियों के नामांकन रैली में कांकेर पहुंचे सीएम भूपेश बघेल ने अनूप नाग को मना लेने का दावा किया है. बघेल ने कहा कि फॉर्म लेना एक बात, भरना दूसरी और लड़ना तीसरी बात है. सीएम ने उम्मीद जताई कि अनूप पार्टी छोड़कर नहीं जाएंगे. सीएम बघेल ने कहा, अनूप नाग से फोन पर बात हुई है, मैं उम्मीद करता हूं कि वो पार्टी में रहेंगे और पार्टी के लिए काम करेंगे.

नाग की दो टूक- किसी भी हाल में नाम नहीं लेंगे वापस

अनूप नाग ने टिकट कटने के बाद से खामोशी साध रखी थी. जबकि उनके समर्थको में खासी नाराजगी देखी जा रही थी. जगह-जगह अनूप नाग के समर्थक बैठक आयोजित कर उनको निर्दलीय चुनाव लड़वाने को लेकर तैयारी कर रहे थे. लेकिन अब अनूप नाग ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फॉर्म लेकर अपने पत्ते खोल दिए. अनूप नाग ने मीडिया से चर्चा में दौरान कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य के बलबूते वो टिकट मिलने को लेकर निश्चिंत थे लेकिन पार्टी ने उनका टिकट काट दिया. उन्होंने कहा कि पार्टी ने किस आधार पर टिकट दिया यह उन्हें नहीं पता लेकिन क्षेत्र की जनता की मांग पर वो चुनाव लड़ने जा रहे हैं. नाम वापसी के सवाल पर अनूप नाग ने कहा कि किसी भी सूरत में वो नाम वापस नहीं लेंगे और अपने क्षेत्र की जनता और समर्थकों के दम पर चुनाव लडेंगे. ऐसे में अब सीएम भूपेश बघेल उनको कैसे मनाते हैं यह देखने वाली बात होगी.

कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट में 10 सिटिंग विधायकों के काटे टिकट

7 सीटों पर फंसा पेच

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 53 प्रत्याशियों के नाम हैं। 7 विधानसभा के प्रत्याशियों का नाम रोका है। कांग्रेस ने अपनी दूसरी लिस्ट में 10 विधायकों के टिकट काट दिया है। कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में 30 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें 8 विधायकों का टिकट काटा था। कांग्रेस ने एक पूर्व राज्यसभा सांसद सहित 9 महिलाओं को मौका दिया है। जबकि रायपुर उत्तर, महासमुंद, सरायपाली, कसडोल, बैकुंठपुर, सिहावा और धमतरी सीट पर अभी नाम रोका गया है। प्रत्याशियों के नामों का पेंच फंसा होने की वजह से यहां घोषणा नहीं की गई है।

इन विधायकों का काटा टिकट

- धरसीवां- अनिता शर्मा
- बिलाईगढ़- चंद्रदेव राय
- रायपुर ग्रामीण- सत्यनारायण शर्मा
- जगदलपुर- रेखचंद जैन
- मनेंद्रगढ़- विनय जायसवाल
- प्रतापपुर- प्रेमसाय सिंह टेकाम
- रामानुजगंज- बृहस्पति सिंह
- सामरी- चिंतामणी महाराज
- लैलूंगा- चक्रधर सिदार
- पाली-तानाखार- मोहित केरकेट्टा

पहली सूची में इन विधायकों का कटा था टिकट

कांग्रेस ने पहली सूची में जिन विधायकों का टिकट काटा गया है, उनमें पंडरिया से ममता चंद्राकर, खुज्जी से छन्नी साहू, दंतेवाड़ा से देवती कर्मा, अंतागढ़ से अनूप नाग, कांकेर से शिशुपाल सोरी, चित्रकोट से राजमन बेंजाम, डोंगरगढ़ से भुवनेश्वर बघेल, नवागढ़ से गुरुदयाल बंजारे का नाम शामिल हैं। राजमन बेंजाम की जगह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद दीपक बैज चुनाव लड़ रहे हैं। देवती कर्मा की जगह अब उनके बेटे छविंद्र कर्मा को मौका दिया गया है।

बस्तर की एकमात्र सामान्य सीट पर नया चेहरा

बता दें कि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव होना है। पहला चरण 7 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 17 नवंबर को होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए कांग्रेस की एकमात्र सीट जगदलपुर बची थी, जिसमें अब पूर्व महापौर जतिन जायसवाल को टिकट दिया गया है। वर्तमान विधायक रेखचंद जैन का टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस की पहली चरण की पूरी सीटें हो गई है। पहले चरण की 20 सीटों पर 7 नवंबर को मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में 70 सीटों पर वोटिंग की जाएगी। परिणाम 3 दिसंबर को आएंगे। कांग्रेस पार्टी ने अभी सात विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों का नाम रोका है। इन सीटों पर पेंच फंसा हुआ है।

मुंबई एयरपोर्ट पर दबोचा गया महादेव बेटिंग ऐप मामले का मुख्य आरोपी

रायपुर। महादेव बेटिंग ऐप मामले में मुख्य आरोपी मृगांक मिश्रा को दुबई से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मिश्रा पर घोटाले से अर्जित धन भेजने के लिए सैकड़ों संदिग्ध बैंक खाते खोलने में महादेव बेटिंग ऐप के प्रवर्तकों की मदद करने का आरोप है। बाद में राजस्थान के एक पुलिस दल ने उसकी हिरासत ले ली जहां वह महादेव ऐप मामले से जुड़े धोखाधड़ी तथा जालसाजी के एक मामले का सामना कर रहा है।

उन्होंने बताया कि मृगांक मिश्रा (25) को शनिवार को दुबई से लौटने पर हवाई अड्डे पर सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया और मुंबई में सहार पुलिस को सौंप दिया। राजस्थान में प्रतापगढ़ पुलिस का एक दल रविवार को मुंबई आया और उसे गिरफ्तार कर लिया। मिश्रा महादेव बेटिंग ऐप मामले में प्रतापगढ़ पुलिस थाने में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में वॉन्टेड है। उसके खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था।

मूल रूप से मध्य प्रदेश के रतलाम का रहने वाला मिश्रा दुबई में छिपा हुआ था। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने इस मामले में सोमवार को एकसाथ कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की टीम ने भिलाई-तीन के पटाखा कारोबारी सुरेश धिंगानी, सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर के बिजनेस पार्टनर दीपक सावलानी समेत 6 लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की।

ईडी के अधिकारी सुबह करीब छह बजे पटाखा कारोबारी सुरेश धिंगानी के पदुम नगर भिलाई-3 स्थित निवास पहुंचे। ईडी के अधिकारियों ने सुरेश धिंगानी और उसके बेटे विवेक (बंटी) धिंगानी से पूछताछ की। अधिकारियों की मानें तो दीपक सावलानी सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर का कथित बिजनेस पार्टनर है। दीपक सावलानी चंद्राकर के काले धन को विभिन्न व्यवसाय में लगाकर उसे सफेद करने का काम कर रहा था।

एससी-एसटी, महिला, संत-महात्मा सभी को मिला मौका': बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख दीपक बैज ने कहा कि अगले महीने होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की 53 उम्मीदवारों की दूसरी सूची समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देती है. पार्टी ने चयन में अपने कार्यकर्ताओं की पसंद का भी ध्यान रखा है. बैज ने रायपुर में संवाददाताओं से कहा कि टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों के आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया गया और जीत की संभावना के आधार पर चयन किया गया. उन्होंने कहा, अब तक घोषित 83 उम्मीदवारों (90 में से) में से 14 महिलाएं हैं और 32 नए चेहरे हैं.

उन्होंने कहा कि रायपुर के प्रसिद्ध दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास को रायपुर दक्षिण सीट से मैदान में उतारा गया है. बैज ने कहा कि कांग्रेस 75 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य हासिल करेगी. बैज ने कहा, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग, महिलाओं और संत-महात्मा सहित हर वर्ग को अवसर दिया गया है.

बैज ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने 2018 में किये गये 95 प्रतिशत वादे पूरे किए.

पत्नी को बिन बताए फोन पर कॉल रिकॉर्ड करना निजता के अधिकार का उल्लंघन

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पति को दिया झटका

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि संबंधित व्यक्ति की अनुमति के बिना टेलीफोन पर बातचीत रिकॉर्ड करना 'निजता के अधिकार' का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ता के एक मामले में महासमुंद की फैमिली कोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें साक्ष्य के रूप में मोबाइल फोन की रिकॉर्डिंग का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

वकील वैभव ए. गोवर्धन ने बताया कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सिंगल जज बेंच ने कहा है कि संबंधित व्यक्ति की अनुमति के बिना टेलीफोन पर बातचीत रिकॉर्ड करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके 'निजता के अधिकार' का उल्लंघन है।

वकील गोवर्धन ने बताया कि याचिकाकर्ता (पत्नी) द्वारा गुजारा भत्ता देने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत आवेदन दायर किया गया था, जो 2019 से महासमुंद की फैमिली कोर्ट के समक्ष लंबित है।

वकील ने बताया कि याचिकाकर्ता महिला ने इससे संबंधित साक्ष्य अदालत में पेश किए थे। वहीं, दूसरी तरफ महिला के पति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह के आधार पर गुजारा भत्ता देने से मना किया था। उसने फैमिली कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दाखिल किया और कहा कि याचिकाकर्ता की बातचीत उसके मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड की गई है। पति उक्त बातचीत के आधार पर अदालत के समक्ष उससे जिरह करना चाहता है। अदालत ने उक्त आवेदन को स्वीकार कर लिया और अनुमति दे दी।

वकील ने बताया कि याचिकाकर्ता ने 21 अक्टूबर 2021 के फैमिली कोर्ट के उक्त आदेश से दुखी होकर हाईकोर्ट का रुख किया और इसे रद्द करने की प्रार्थना की। याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि यह उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि निचली अदालत ने आवेदन की अनुमति देकर कानूनी त्रुटि की है। यह आदेश याचिकाकर्ता की निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है। यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ता की जानकारी के बिना प्रतिवादी (पति) द्वारा बातचीत रिकॉर्ड की गई थी, इसलिए इसका उपयोग उसके खिलाफ नहीं किया जा सकता।

गोवर्धन ने बताया कि प्रतिवादी के वकील ने कहा कि पति अपनी पत्नी के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए सबूत पेश करना चाहता है, इसलिए उसे मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड की गई बातचीत को प्रस्तुत करने का अधिकार है।

उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट में जस्टिस राकेश मोहन पाण्डेय की बेंच ने मामले में 5 अक्टूबर 2023 को सुनवाई के बाद महासमुंद फैमिली कोर्ट द्वारा पारित 21 अक्टूबर 2021 के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने माना है कि संबंधित व्यक्ति की अनुमति के बिना टेलीफोन पर बातचीत रिकॉर्ड करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके 'निजता के अधिकार' का उल्लंघन है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- गुलाब दास दीवान, द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. (छ.ग.) भवन, प्रेस काम्प्लेक्स रजबंधा मैदान रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ग्राम-पोस्ट-पवनी, तहसील-बिलाईगढ़, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), 493338 से प्रकाशित। RNI NO. CHHHIN/2022/83778 सम्पादक- गुलाब दास दीवान, मो. 9294743139